विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मप्र और छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

www.vijaymat.com | भोपाल, बुधवार, 16 अप्रैल 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 121 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

ज्ञानामृत

भय से तब तक ही डरना चाहिये जब तक भय (पास) न आया हो। आये हुए भय को देखकर बिना शंका के उस पर प्रहार करना चाहिये।

▶▶ पंचतंत्र

राहत

एसबीआई, बीओआई एवं एचडीएफसी बैंकों ने 0.25% ब्याज दरें घटाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के वित्त वर्ष 2025-26 की अपनी पहली मॉनिटरी पॉलिसी बैठक में रेपो रेट घटाने का फैसला करने के बाद कई बैंकों ने भी इसका फायदा लोगों तक पहुंचाने के लिए रेट कट किए हैं। इसी कड़ी में भारतीय स्टेट बैंक ने भी ब्याज दर में कटौती की है। देश के सबसे बड़े लेंडर एसबीआई ने अपने ग्राहकों को फायदा पहुंचाते हुए अपनी उधारी दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। इस कटौती के बाद एसबीआई के मौजूदा और नए उधार लेने वाले ग्राहकों दोनों के लिए कर्ज लेना सस्ता हो जाएगा। इस नई कटौती के साथ एसबीआई की रेपो से जुड़ी उधारी दर (आरएलएलआर) 0.25 प्रतिशत कम होकर 8.25 प्रतिशत रह जाएगी। अप्रैल में रिजर्व बैंक ने एमपीसी की बैठक के बाद ऐलान किया था कि रेपो रेट को 0.25% से घटाकर 6% कर दिया जाएगा।

एचडीएफसी-बीओआई बैंकों ने भी घटाईं दरें

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अलावा निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंकड़ ने बचत खातों पर ब्याज दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 2.75 प्रतिशत कर दिया है, जो निजी क्षेत्र के अन्य बैंकों में सबसे कम है। वहीं, पब्लिक सेक्टर बैंक बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी 400-दिवसीय विशेष जमा योजना वापस ले ली है, जिसमें 7.3 प्रतिशत ब्याज मिलता था। मुंबई स्थित बैंक ऑफ इंडिया ने अपने आवासीय कर्ज की ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की है, जिससे नए और मौजूदा दोनों ग्राहकों को लाभ होगा।

आदेश

अस्पताल से नवजात की तस्करी होने पर रद्द हो लाइसेंस: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बाल तस्करी को लेकर सख्त आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि अगर अस्पताल से नवजात गायब होते हैं तो अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सभी निचली अदालतों को बाल तस्करी से जुड़े मामलों की सुनवाई छह महीने में पूरी करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर भी उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की। ऐसे अपराध रोकने के लिए राज्यों को सख्त दिशा-निर्देश दिए। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि देशभर के हाईकोर्ट में बाल तस्करी के कितने मामले लंबित हैं, इसकी जानकारी दी जाए। इसके बाद छह महीने में मुकदमे को पूरा करने और दिन-प्रतिदिन सुनवाई करने के निर्देश जारी किए जाएंगे।

किसी भी प्रकार की लापरवाही को पीठ की अवमानना माना जाएगा

सुप्रीम कोर्ट ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के लिए सख्त निर्देश जारी किए। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई नवजात शिशु चोरी होता है तो अस्पतालों का लाइसेंस रद्द कर दिया जाना चाहिए। यदि कोई महिला अस्पताल में बच्चे को जन्म देने आती है और बच्चा चोरी हो जाता है, तो पहला कदम लाइसेंस निलंबित करना होना चाहिए। पीठ ने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा तथा इसे न्यायालय की अवमानना माना जाएगा।

खुलासा

वक्फ कानून के खिलाफ बंगाल में हुई हिंसा में बांग्लादेशी उपद्रवियों का हाथ

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में नए वक्फ कानून को लेकर भड़की हिंसा के मामले में गृह मंत्रालय को शुरुआती जांच की जानकारी दी गई है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, हिंसा में कुछ बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता के संकेत मिले है। हालांकि हिंसा के बाद जंगीपुर, धुलियान, सुती और शमशेरगंज जैसे संवेदनशील इलाकों में बीएसएफ, सीआरपीएफ, राज्य सशस्त्र पुलिस और आरएएफ के जवान तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 48 घंटों में इन इलाकों में कोई नई हिंसा की घटना नहीं हुई है और स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। बता दें कि तनाव की खबरों के बीच बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी रवि गांधी ने भी प्रभावित इलाकों का दौरा किया और राज्य पुलिस के साथ मिलकर इलाके में गश्त बढ़ाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा की।

भांगर में भी वक्फ कानून को लेकर तनाव

इसी बीच, दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर इलाके में भी वक्फ अधिनियम को लेकर सोमवार को हिंसा देखने को मिली। इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थकों ने पुलिस के साथ झड़प की, जिसमें कई लोग घायल हो गए। कुछ पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचा। गौरतलब है कि पुलिस ने आईएसएफ समर्थकों को उनके नेता और विधायक नौशाद सिद्दीकी की रैली में शामिल होने से रोकने की कोशिश की, जिसके चलते ये झड़प हुई।

न्यूज इन शॉर्ट

सहारा ग्रुप की 1460 करोड़ की जमीन ईडी ने की कुर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय, कोलकाता ने सहारा इंडिया और उसके समूह की संस्थाओं के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत लोनावाला के आंबी वैली सिटी और उसके आसपास की 707 एकड़ जमीन को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। इस जमीन का अनुमानित बाजार मूल्य 1460 करोड़ रुपये है। यह जमीन बेनामी प्रॉपर्टी के तहत खरीदी गई थी। इसमें सहारा समूह की संस्थाओं से प्राप्त धन का इस्तेमाल किया गया था। जमाकर्ताओं को धन जमा करने के लिए धोखा दिया गया। उन्हें सहमति के बिना धन को फिर से जमा करने के लिए मजबूर किया गया था। लोगों ने कई बार परिपक्वता भुगतान की मांग की, लेकिन जमाकर्ताओं को परिपक्वता भुगतान से वंचित कर दिया गया।

अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी का ई-मेल

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या के राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। 14 अप्रैल (सोमवार) की रात राम जन्मभूमि ट्रस्ट को एक ई-मेल आया था। इसमें लिखा है- बढ़ा लो मंदिर की सुरक्षा। ट्रस्ट के अकाउंट अफसर महेश कुमार ने मंगलवार को पुलिस की साइबर सेल में केस दर्ज कराया है। धमकी मिलने के बाद जन्मभूमि परिसर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बलों की गश्त बढ़ा दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली को एक्टिव किया गया है। पुलिस ने मंदिर के पास सर्च ऑपरेशन चलाया। वहीं, बाराबंकी, चंदौली और अलीगढ़ समेत कई जिलों के जिलाधिकारियों को भी धमकी भरा ई-मेल आया है। इसमें ष्ठरूऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये सभी मेल तमिलनाडु से भेजे गए हैं।यह तस्वीर रामपथ की है।

श्रेयस अय्यर ने जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार

दुबई, एजेंसी। भारत के स्टाइलिश बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मार्च 2025 के लिए आईसीसी पुरुष 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार के लिए चुना गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अय्यर को चैंपियंस ट्रॉफी की पांच पारियों में 48.60 की औसत और 79.41 की स्ट्राइक रेट के साथ 243 रन बनाने पर इस पुरस्कार के लिए चुना। उन्होंने न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पछाड़ते हुए यह सम्मान हासिल किया है। अय्यर ने दूसरी बार यह पुरस्कार अपने नाम किया है। इससे पहले उन्होंने साल 2022 के फरवरी महीने में भी यह पुरस्कार जीता था। अय्यर के इस पुरस्कार जीतने के साथ ही भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दो बार यह पुरस्कार जीता है। इससे पहले फरवरी में शुभमन गिल ने यह पुरस्कार जीता था।

गुजरात से संगठन सृजन अभियान शुरू करेंगे राहुल गांधी

अरवल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को गुजरात के अरावली जिले के मोडासा क्षेत्र में 'संगठन सृजन अभियान' का शुभारंभ करेंगे। इसका उद्देश्य जिला कांग्रेस समितियों को सशक्त बनाकर पार्टी के संगठन को मजबूत बनाना और जवाबदेही की एक नई प्रणाली शुरू करना है। पार्टी के अभियान की शुरुआत करने के लिए राहुल गांधी गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। यह पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के 2025 को 'संगठनात्मक सुधारों का वर्ष' बनाने के आह्वान के अनुरूप एक कार्यक्रम है। वहीं एक हफ्ते पहले अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) और अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) की बैठक के दौरान भी इस प्रतिबद्धता को दोहराया गया था।

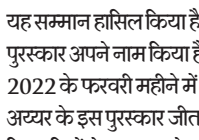

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत का आह्वान

समाज में फैली असमानता को खत्म करने तय हो समय सीमा

कानपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सामाजिक असमानता को खत्म करने के लिए समय सीमा तय करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि संघ शताब्दी वर्ष में समरसता का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाएगा और जाति छुआछूत मुक्त भारत बनाने के लिए तेजी से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हर जाति ने देश के उत्थान में योगदान दिया है। समाज में जाति और छुआ-छूत के आजादी के इतने वर्षों बाद भी खत्म न होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मंगलवार को इसकी समय सीमा तय करने की बात कही कि कब तक सामाजिक विषमता को खत्म किया जा सकेगा। वह कारवालो नगर स्थित संघ कार्यालय केशव भवन में पांच दिवसीय प्रवास पर आए हुए हैं। बैठक में क्षेत्र प्रचारक अनिल, प्रांत प्रचारक श्रीराम, प्रांत संघ चालक भवानी भीख तिवारी, प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ. अनुपम, क्षेत्र प्रचारक प्रमुख राजेंद्र सिंह, सह प्रांत प्रचारक मुनीश सहित प्रांत के 21 जिलों के जिला समरसता प्रमुख तथा विभाग समरसता प्रमुख उपस्थित रहे।

सभी जातियों ने दिए हैं महापुरुष : भागवत

मोहन भागवत ने कहा कि ऐसी कोई जाति नहीं है, जिसने देश के उत्थान में या देश पर आए संकट के दौरान संघर्ष करके योगदान न दिया हो। सभी जातियों ने महापुरुष भी दिए हैं। ग्रामीण परिवेश में छुआ-छूत की बड़ी समस्या पर उन्होंने साफ कहा कि श्मशान, मंदिर और जलाशय पर हिंदू समाज की सभी जातियों का समान अधिकार है।

संघ प्रमुख ने कहा- शताब्दी वर्ष में गांव-गांव जाकर समरसता का संदेश लोगों को देना है

संघ प्रमुख ने शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम में समरसता को जोड़ते हुए कहा कि संघ का साहित्य लेकर हम गांव-गांव जाने वाले हैं। हमें गांव-गांव जाकर समरसता के संदेश को देना है। हम कितने समय में इस सामाजिक विषमता को समाप्त कर सकेंगे, इसके लिए एक लक्ष्य तय करना होगा। इसके साथ ही हमें समतायुक्त, शोषणमुक्त, जातिविद्वेष मुक्त भारत बनाना होगा। इसके लिए हम सभी को बहुत तेजी से कार्य करना है।

समरसता संघ की गतिविधि ही नहीं संघ के स्वयंसेवक का स्वभाव है

संघ प्रमुख भागवत ने पदाधिकारियों से कहा कि समरसता संघ की गतिविधि ही नहीं संघ के स्वयंसेवक का स्वभाव है। यहां 25-30 साल तक एक साथ काम करने वाले स्वयंसेवक भी एकदूसरे की जाति नहीं जानते। हमें अपने कार्य और स्वभाव से यही मानसिकता पूरे समाज की बनानी है। समरसता संघ के स्वयंसेवक का स्वभाव होने के कारण संघ से जुड़ने वाले प्रत्येक व्यक्ति में समरसता का भाव स्वभाविक हो जाता है। संघ के स्वयंसेवक का समरसतापूर्ण स्वभाव समाज का भी स्वभाव बने, इसका प्रयास बहुत तेजी से करना है। समरसता संघ के स्वयंसेवक का स्वभाव होने के कारण संघ से जुड़ने वाले प्रत्येक व्यक्ति में समरसता का भाव स्वभाविक हो जाता है। संघ के स्वयंसेवक का समरसतापूर्ण स्वभाव समाज का भी स्वभाव बने, इसका प्रयास बहुत तेजी से करना है।

मुख्यमंत्री मोहन का बड़ा ऐलान

मप्र के श्रमिकों को काम देने वाले उद्योगों को मिलेगी 70% सब्सिडी

विजय मत, ब्यूरो रतलाम

जिले में अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के सम्मेलन में मंगलवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार औद्योगीकरण को बढ़ावा दे रही है और श्रमिक वर्ग की बेहतरी के लिए भी हर संभव काम कर रही है। मशीनों की जगह मजदूरों को काम मिले इस दिशा में भी सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है। सीएम मोहन यादव मंगलवार को रतलाम पहुंचे। उन्होंने यहां विधायक सभागृह में अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को अधिक से अधिक रोजगार देने वाले उद्योगों को 70प्रतिशत तक सब्सिडी देने की बात कही। साथ ही प्रदेश में बंद हो चुकी कंपनियों के श्रमिकों को उनका बकाया भुगतान दिलवाने की भी बात कही है।

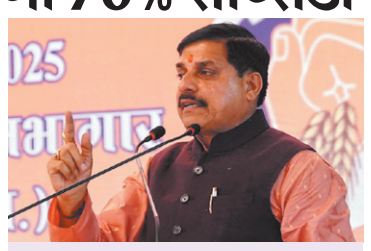

श्रमिकों को मिली बकाया राशि

सीएम मोहन यादव ने वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ की तारीफ करते हुए कहा, "यह संगठन मजदूरों के भलाई के लिए बहुत बेहतर कार्य कर रहा है। इंदौर में 30 साल पुरानी बंद फैक्ट्री के 4800 मजदूरों का बकाया 2400 करोड़ का भुगतान किया गया है। प्रदेश में जहां भी फैक्ट्री के मजदूरों का भुगतान बकाया है उसका भुगतान भी करेंगे।

मेडिकल हब के रूप में हो रहा विकसित

सीएम ने कहा कि अब धार और झाबुआ में भी मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं। जिससे पूरा उज्जैन संभाग मेडिकल हब के रूप में विकसित हो रहा है। खासकर आदिवासी अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री आज मंडला से लाड़ली बहनों के खातों में भेजेंगे रुपए

विजय मत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 16 अप्रैल को मंडला जिले के ग्राम टिकरवारा से लाड़ली बहनों के खाते में राशि का अंतरित की जायेगी। उन्होंने कहा कि राशि अंतरण की तारीख में सदैव एकरूपता लाने के लिए अब राज्य सरकार द्वारा प्रतिमाह 15 तारीख के आसपास यह राशि लाड़ली बहनों के खाते में हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल (बुधवार) को मंडला जिले से प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाडली बहनाओं के खाते में 1552.38 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद् की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मोर दुआर-साय सरकार: जनता का हाल जानने सीएम साय की घर-घर दस्तक

विजय मत, रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को बस्तर जिले के ग्राम घाटपदमपुर से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण के लिए प्रदेशव्यापी मोर दुआर-साय सरकार महाभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री इस दौरान उन्होंने घाटपदमपुर के कई हितग्राहियों के घर पहुंचकर स्वयं सर्वेक्षण किया। मुख्यमंत्री के गांव पहुंचने पर ग्रामीण काफी उत्साहित नजर आए। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को पक्का और सुरक्षित घर प्रदान करना है। इस क्रम में सर्वेक्षण कार्य समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरा किया जाएगा, ताकि हर जरूरतमंद को योजना का लाभ मिले।

शिकार के गुर सिखाती मां...

विजय मत, ब्यूरो सीधी। जंगल में खूंखार जानवर अपने बच्चों को जीवित रहने और शिकार करने की ट्रेनिंग देते हैं लेकिन अमूमन ऐसे वीडियो कम ही सामने आते हैं। सीधी के संजय टाइगर रिजर्व की वस्तुआ रेंज में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। यहां बाघिन टी-28 अपने शावकों को शिकार के गुर सिखाते नजर आई।

1577 अंक उछलकर 76,734 के स्तर पर बंद हुआ सेंसेक्स, निफ्टी भी 23,300 के पार

मुंबई, एजेंसी। मंगलवार को शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। आज दिनभर सेंसेक्स 1600-1700 के बीच कारोबार करता नजर आया। सेंसेक्स 1577 अंक चढ़कर 76,734 के स्तर पर, जबकि निफ्टी 500 अंक उछलकर ये 23,328 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स करीब 1700 अंक (2.22प्रतिशत) से ज्यादा चढ़कर 76,850 के स्तर पर और निफ्टी में भी 500 अंक (2.24प्रतिशत) से ज्यादा की तेजी रही। ये 23,350 के स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में तेजी रही। इंडसइंड बैंक करीब 7प्रतिशत, अडानी पोर्ट्स 4प्रतिशत, टाटा मोटर्स 4.4प्रतिशत, लार्सन एंड टुब्रो 4.25प्रतिशत और एक्सिस बैंक करीब 4% ऊपर कारोबार कर रहे थे।

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी ने दायर की चार्जशीट, सोनिया-राहुल के भी नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी चार्जशीट दायर कर दी है। इस चार्जशीट में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ-साथ सैम पित्रोदा और सुमन दुबे का नाम भी शामिल है। यह चार्जशीट दिल्ली के राउज ऐवेन्यु कोर्ट में दायर की गई है। ईडी की जांच में दावा किया गया है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की कंपनी यंग इंडियन ने एसोसिएट जर्नल प्रेस लिमिटेड की 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियों को सिर्फ 50 लाख रुपये में हासिल किया था। ईडी का कहना है कि यह एक तरह की धोखाधड़ी थी और इसमें 988 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई। इस मामले की सुनवाई दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में 25 अप्रैल को होगी। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी द्वारा आरोपपत्र दाखिल करने के बाद जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस और उसके नेतृत्व को चुप नहीं बैठेगा।

विजय मत एंकर इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 में दी गई जानकारी, मौजूदा जजों पर पड़ रहा बोझ

देश में हर 10 लाख की आबादी पर सिर्फ 15 जज, हाईकोर्ट में 33% पद खाली

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में हर 10 लाख लोगों पर सिर्फ 15 जज हैं, जबकि कानून आयोग ने 1987 में हर 10 लाख लोगों पर 50 जज होने की सिफारिश की थी। यह जानकारी मंगलवार को जारी इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 में दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 140 करोड़ की आबादी के लिए सिर्फ 21,285 जज हैं, यानी औसतन 15 जज प्रति दस लाख जनसंख्या। यह आंकड़ा कानून आयोग की सिफारिशों से काफी कम है। इस रिपोर्ट में बताया गया कि देश के उच्च न्यायालयों में 33 प्रतिशत पद खाली हैं। हालांकि 2025 में रिक्तियों की दर 21 प्रतिशत बताई गई है। इससे मौजूदा जजों पर काफी काम का बोझ पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, जिला अदालतों में एक जज के पास औसतन 2,200 मुकदमों का बोझ है। वहीं, इलाहाबाद और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालयों में एक जज के पास 15,000 तक केस हैं।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ी, लेकिन अब भी कम

रिपोर्ट में बताया गया कि जिला अदालतों में महिला जजों की संख्या 2017 में 30' थी, जो 2025 में बढ़कर 38.3' हो गई। उच्च न्यायालयों में यह आंकड़ा 11.4' से बढ़कर 14' हुआ है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में केवल 6' महिला जज हैं। देश के 25 उच्च न्यायालयों में से केवल एक में महिला मुख्य न्यायाधीश हैं। दिल्ली की जिला अदालतों में महिला जजों की संख्या सबसे अधिक 45' है और रिक्त पद केवल 11' हैं, जो सबसे कम हैं।

अनुसूचित जाति और जनजातियों की हिस्सेदारी... रिपोर्ट के मुताबिक, जिला अदालतों में केवल 5% जज एसटी से और 14% जज एससी से हैं। वहीं, 2018 से अब तक उच्च न्यायालयों में 698 जज नियुक्त किए गए, जिनमें से केवल 37 जज एससी और एसटी वर्ग से हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की हिस्सेदारी 25.6% बताई गई है।

न्यायपालिका पर कम खर्च

रिपोर्ट के अनुसार, देश में प्रति व्यक्ति सालाना औसतन 182 रुपए न्यायपालिका पर खर्च किए जाते हैं, जबकि कानूनी सहायता पर सिर्फ 6.46 रुपए। कोई भी राज्य अपनी कुल सालाना खर्च का एक फीसदी भी न्यायपालिका पर खर्च नहीं करता, जो गंभीर चिंता का विषय है।

मुकदमों की सूची लंबित... रिपोर्ट में कहा गया है कि कर्नाटक, मणिपुर, मेघालय, सिक्किम और त्रिपुरा को छोड़कर, बाकी सभी उच्च न्यायालयों में हर दो में से एक मामला तीन साल से अधिक समय से लंबित है। कुछ राज्यों जैसे बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, यूपी, ओडिशा और प बंगाल की जिला अदालतों में 40% से ज्यादा केस तीन साल से लंबित हैं।

कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जे.के. जैन के निधन पर दु:ख व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के मध्यप्रदेश कैडर के सेवानिवृत्त अधिकारी जे.के. जैन के आकस्मिक निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जैन अपने सेवाकाल में कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहे। उनके असामयिक निधन से प्रदेश और समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से पुण्यात्मा को शांति और स्व. जैन के शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

'वन संरक्षण और जलवायु-समर्थ आजीविका' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 अप्रैल से भोपाल में

भोपाल। मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापन, जलवायु परिवर्तन और समुदाय-आधारित आजीविका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 अप्रैल से नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। केन्द्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव सत्र में मुख्य वक्तव्य देंगे। प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह स्वागत उद्बोधन देंगे। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की रूपरेखा डॉ. राहुल मूँगीकर प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर जनजातीय समुदाय और प्राकृतिक संरक्षण पर केंद्रित ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति भी दी जाएगी। राष्ट्रीय कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में वन संरक्षण की वर्तमान कानूनी व्यवस्थाएं, उनकी सीमाएं और समाधान, जैव विविधता संशोधन अधिनियम-2023, सामुदायिक वन अधिकार, पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण और वन पुनर्स्थापन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। बैंगलुरू से आ रहे प्रो. रमेश विशेषज्ञ वक्तव्य भी देंगे। कार्यशाला में डॉ. योगेश गोखले, डॉ. राजेन्द्र दहातोंडे आदि वक्ता विभिन्न सत्रों को संबोधित करेंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी से वनों की सुरक्षा एवं संरक्षण में आयी गतिशीलता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वनों के संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा के लिये प्रदेश में निरंतर प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री की मंशानुसार विभिन्न विभागों द्वारा इस दिशा में सकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं। वन विभाग द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों के उपयोग से वनों की सुरक्षा एवं संरक्षण में गतिशीलता लाने के लिये जीआईएस तकनीक का प्रयोग वन क्षेत्रों के नक्शों के निर्माण एवं संधारण के लिये किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा वनों का वैज्ञानिक दृष्टि से इस तरह प्रबंधन करना, जिससे न सिर्फ ग्रामवासियों को वनों से जीविकोपार्जन का स्रोत निरंतर बना रहे, बल्कि प्रबंधन में भी उनकी भागीदारी सशक्त करने का सार्थक प्रयास है। साथ ही इससे यह भी सुनिश्चित करना है कि वन एक प्राकृतिक धरोहर के रूप में संवहनीय, संरक्षित एवं संवर्धित संसाधन के रूप में विकसित होता रहे। मध्यप्रदेश वन एवं वन्य-जीव संरक्षण एवं संवर्धन में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में अपना स्थान रखता है।

रासायनिक/औद्योगिक आपदा मॉक अभ्यास के लिए टेबल टॉप एक्सरसाइज कल होगी आयोजित

भोपाल। राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रिया बल (एसडीईआरएफ) के राज्य कमान एवं नियंत्रण केंद्र, भोपाल में 17 अप्रैल को होने वाले रासायनिक/औद्योगिक खतरा मॉक अभ्यास के निष्पादन के लिए एक टेबल टॉप एक्सरसाइज (टीटीईएक्स) आयोजित की गई। टीटीईएक्स की अध्यक्षता अरविंद कुमार, डीजी एसडीईआरएफ भोपाल द्वारा की गई। बैठक में मनीष कुमार अग्रवाल, डीआईजी, एसडीईआरएफ, कर्नल कीर्ति प्रताप सिंह, संयुक्त सचिव, एनडीएमए, ब्रिगेडियर रवींद्र गुरंग, वरिष्ठ सलाहकार, एनडीएमए, अंकुर मेश्राम, एडीएम भोपाल, लखन सिंह, संयुक्त कलेक्टर भोपाल, बृजेश जायसवाल, वरिष्ठ सलाहकार, एमपीएसडीएमए, विभिन्न लाइन विभागों के नोडल अधिकारी, एमपी पुलिस, अग्नि एवं आपातकालीन सेवाएं और स्वास्थ्य विभाग, एसडीईआरएफ, होमगार्ड, एनडीआरएफ, सेना, वायुसेना के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक के दौरान, ब्रिगेडियर रवींद्र गुरंग (सेवानिवृत्त), एनडीएमए ने 17 अप्रैल 2025 को होने वाले रासायनिक/औद्योगिक खतरा मॉक अभ्यास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मॉक अभ्यास के सभी पहलुओं, प्रत्येक हितधारक की भूमिका और प्रतिक्रिया, बचाव, निकासी और राहत के लिए सेना, पुलिस, अग्नि और चिकित्सा टीम सहित समग्र कार्य बलों पर प्रकाश डाला।

वोट बैंक खिसकता देख बौखला गए हैं दिग्विजय सिंह, दिग्विजय सिंह को चुभ रहा है प्रदेश का सौहार्द्रपूर्ण वातावरण

वक्फ संशोधन बिल पारित होने से हताश हैं कांग्रेस नेता: डॉ. सनवर पटेल

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की पत्रकार-वार्ता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह समेत कांग्रेस के अन्य नेता मुस्लिमों में अपना जनाधार खिसकते और वोट बैंक को बिखरते देख बौखला गए हैं। देश और प्रदेश की जनता द्वारा बार-बार नकार दिए जाने के बावजूद कांग्रेस के लोग अभी भी अपना यथार्थ स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं और वे आज भी जाति और धर्म की राजनीति के सहारे अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। उन्हें मध्यप्रदेश का शांति और सौहार्द्र का वातावरण चुभने लगा है, इसलिए वे अपने बयानों से माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

वक्फ संशोधन बिल से नकारा हुआ भू-माफिया... *पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने जो वक्फ संशोधन बिल पारित कराया है, उसके बाद वक्फ के नाम जमीनों पर कब्जा कर करोड़ों रुपयों की हेरफेर करने वाला भू-माफिया बेकार हो गया है। अब वक्फ बोर्ड को होने वाली आय का उपयोग गरीब मुस्लिमों के कल्याण के लिए किया जाएगा। यह बात दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं और मुस्लिम समाज में उनकी राजनीति का आधार रहे भू-माफिया के गले नहीं उतर रही है। इसीलिए इस तरह की वातावरण खराब करने वाली बयानबाजी कर रहे हैं ताकि लोग भ्रमित होकर हिंसा का रास्ता अपनाएं और मुस्लिमों के स्वयंभू नेता बने भू-माफिया अपना औचित्य साबित कर सके। लेकिन इस तरह की बयानबाजी से ये नेता अपनी हताशा ही जाहिर कर रहे हैं।*

देश-प्रदेश का वातावरण बिगाड़ना चाहती है कांग्रेस

डॉ. सनवर पटेल ने कहा कि "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मूलमंत्र पर चल रही मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के मुस्लिम समाज के पात्र हितग्राहियों को भी मिल रहा है। इससे उनके जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आया है और वे देश की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। यही वजह है कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के परोक्ष समर्थन से हो रहे दंगों को छोड़कर देश में कहीं भी वक्फ संशोधन बिल के विरोध में हिंसा की घटनाएं नहीं हुई। जबकि कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दल इस मुद्दे का इस्तेमाल देश में आग लगाने के लिए करना चाहते थे। उन्हें यह विश्वास ही नहीं हो रहा है कि भोपाल जैसे शहर में मुस्लिम समाज के लोग उनकी बात न मानते हुए वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में प्रदर्शन भी कर सकते हैं। बहरहाल, अपना अच्छा-बुरा समझने वाले मुस्लिम समाज के रवैये से कांग्रेसियों को निराशा हो रही है। इसीलिए दिग्विजयसिंह जैसे नेता जानबूझकर इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं, जिससे समाज का वातावरण खराब हो। डॉ. सनवर पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकार है और उसके लिए प्रदेश की कानून व्यवस्था पहली प्राथमिकता है।

मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मण्डल संचालक मण्डल की 62वीं बैठक हुई

श्रमिकों का कल्याण प्रशासनिक नहीं, नैतिक उत्तरदायित्व : पटेल

विजय मत, भोपाल

श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री एवं श्रम कल्याण मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि मंडल की बैठकों में श्रम कल्याण के विषय पर विस्तारसे चर्चा की जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक में श्रम कल्याण योजनाएं एवं श्रम कानूनों में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के बारे में बोर्ड में चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि संबल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की विसंगतियों को दूर करें। मंत्री पटेल मंगलवार को पलाश रेसीडेंसी में मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मण्डल के संचालक मण्डल की 62वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। श्रम कल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव, अपर सचिव बसंत कुर्रे, कल?याण आयुक?त एस.एस.दीक्षित सहित मंडल के सदस्य, विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

मंत्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों का कल्याण केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, नैतिक उत्तरदायित्व भी है। हमारी सरकार हर श्रमिक के सम्मान, अधिकार और भविष्य की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले शत-प्रतिशत श्रमिकों को सर्वप्रथम इलेक्ट्रिक वाहन का वितरण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नवीन श्रम कल्याण केंद्रों की डिजाइन भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार की जाए। बैठक में प्रमुख सचिव, श्रम उमराव ने जानकारी दी कि शासन की ओर से मंडल को अंशदान राशि 2 करोड़ से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 12 करोड़ की गई है।

बैठक में मण्डल की 61वीं बैठक में लिये गये निर्णयों पर कार्यालय ?द्वारा की गई कार्रवाई की पुष्टि की गई एवं मण्डल के वित्तीय बजट वर्ष 2025-26, मण्डल के वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2023-24 पर कार्योत्तर अनुमोदन प्रदान किया गया। मण्डल कर्मचारियों की सेवाशर्तों विनियम में अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान किये जाने, म.प्र. श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1982 की धारा 2 (3) (ख) को संशोधित करने, मण्डल के नियमित कर्मचारियों को 7वें वेतनमान के एरियर्स के व्यय भार की स्वीकृति प्रदान की गई, श्रम कल्याण केन्द्र, बुरहानपुर भवन, बुरहानपुर के मरम्मत के लिए व्यय राशि पर कार्योत्तर अनुमोदन प्रदान किया गया।

दिग्विजय के बयान पर मंत्री सारंग का पलटवार, बोले-

हिंदू त्यौहारों से आपत्ति है तो पाकिस्तान चले जाएं

विजय मत, भोपाल

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और गुना में सांप्रदायिक तनाव की घटना को लेकर सियासी बयानबाजी पारा चढ़ा रही है। इस मामले में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बयान पर भाजपा विधायक और मंत्री विश्वास सारंग ने पलटवार किया है। सारंग ने कहा कि देश में हिंदुओं के तीज-त्यौहार और शोभायात्रा पर कोई रोक नहीं लगा सकता। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह को हिंदू त्यौहारों से आपत्ति है, तो उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए। ये बहुसंख्यक समाज का देश है और यहां अगर हिंदू तीज-त्यौहार नहीं मनाए जाएंगे तो क्या मनाया जाएगा? विश्वास सारंग ने कांग्रेस नेता पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो व्यक्ति रामसेतु को तोड़ने का षड्यंत्र रचता है, राम मंदिर का विरोध करता है, भगवा आतंकवाद जैसे शब्द गढ़कर सनातन का अपमान करता है और जाकिर नाइक जैसे इस्लामिक कट्टरपंथी के मंच पर जाकर उसका महिमामंडन करता है, उससे और क्या उम्मीद की जा सकती है? बता दें दिग्विजय सिंह ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक तनाव की घटना पर बयान देते हुए सवाल उठाया था कि ÷मस्जिदों के सामने डीजे बजाते हुए जुलूस निकालने की इजाजत क्यों दी जाती है? इस बयान पर

विश्वास सारंग ने पलटवार कर तीखी प्रतिक्रिया दी।

ममता बनर्जी सरकार पर भी हमला

विश्वास सारंग ने पश्चिम बंगाल में हिंदू त्योहारों से जुड़े मामलों को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बंगाल की सरकार को हिंदुओं के तीज-त्योहार मनाने में तकलीफ होती है। ममता दीदी ने बहुसंख्यक समाज का अपमान करना और उनके हितों की उपेक्षा करना अपनी आदत बना ली है। मंत्री ने कहा कि जिस बंगाल ने स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य और क्रांति के माध्यम से योगदान दिया, उस बंगाल को आज तुष्टिकरण की राजनीति ने बर्बादी की राह पर खड़ा कर दिया है। ममता सरकार की यह नीति बंगाल और देश दोनों के भविष्य के लिए घातक है।

राज्य स्तरीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा निर्माण के लिये प्रारंभ हुई कार्यशाला

भोपाल। राज्य स्तरीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा निर्माण के लिये 3 दिवसीय कार्य शाला का शुभारंभ मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक स्थायी समिति के अध्यक्ष अलकेश चतुर्वेदी ने मंगलवार को भोपाल के लेक-व्यू अशोका में दीप प्रज्ज्वलित कर के किया। कार्यशाला में बच्चों का सर्वांगीण विकास, कौशल विकास और आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा जैसे उद्देश्य बिंदुओं पर विचार मंथन के बाद प्राप्त सुझावों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या समिति को प्रेषित किया जाएगा। इसके बाद राज्य की पाठ्यचर्या का निर्माण भी किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये टास्क फोर्स का गठन किया है।

तड़के सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक, अधिकारियों को दिए निर्देश

विजय मत, भोपाल

भोपाल की हुजूर विधानसभा क्षेत्र में जारी विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने मंगलवार तड़के 7 बजे विधायक रामेश्वर शर्मा तड़के निरीक्षण पर निकले। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीआई चौराहा से बंसल अस्पताल तक बन रहे फोर लेन अवध मार्ग, केरवा डेम से सेमरी तक प्रस्तावित फोर लेन सड़क और बंजारी स्थित मुखर्जी इनडोर स्टेडियम के कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारियों और तकनीकी टीम के साथ मौजूद विधायक ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर कई निर्देश जारी किए।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्ट्रीट लाइट का कार्य प्राथमिकता पर शुरू किया जाए। सड़क के साथ-साथ ड्रेनेज व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। कनेक्टिंग रोड्स के निर्माण कार्य में गति लाई जाए। वीरशा हाइट और अग्रसेन चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएं। कालीबाड़ी मंदिर (वीरशा हाइट) के पास कलिया सोत नदी पर पुल निर्माण को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। केरवा डेम से सेमरी तक बनने वाली फोर लेन सड़क का निर्माण जल्द पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि मुखर्जी इनडोर स्टेडियम के कार्यों की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक सुधार और प्रगति के निर्देश दिए गए। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि क्षेत्र में सड़कों और सार्वजनिक सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण उनकी प्राथमिकता में है। उन्होंने अधिकारियों से सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने को कहा ताकि नागरिकों को शीघ्र सुविधा मिल सके।

ੴ सतिगुरु प्रसादि

जेहा चीरी लिखिआ तेहा हुकमु कमाहि ॥
घले आवहि नानका सदे उठी जाहि ॥१॥

पाठ का भोग एवं अंतिम अरदास

स्व: रविन्दर सिंह

आप जी को बहुत ही दुखी हृदय के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे सत्कार योग स्वर्गीय सरदार रविंदर सिंह सुपुत्र स्वर्गीय रघुवीर सिंह जो की दिनांक 8 अप्रैल 2025 दिन मंगलवार को अपनी सांसारिक यात्रा पूरी करते हुए वाहेगुरु के चरणों में जा विराजे हैं उनकी आत्मा की शांति के लिए रखे हुए अखंड पाठ का भोग एवं अंतिम अरदास दिनांक 17 तारीख़ 2025 दिन गुरुवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक गुरुद्वारा टेकरी साहिब ईदगाह हिल्स भोपाल मैं होगी। आप सभी ने अंतिम अरदास में शामिल होने की किरपा करनी।

दुखी हृदय
पृथ्वीराज सिंह प्रेस फोटोग्राफर प्रदेश टुडे,
भूपेंद्र सिंह प्रेस फोटोग्राफर
मनिन्दर सिंह,जसप्रीत सिंह, शमशेर सिंह
समूह परिवार
9827336370, 8770837309,
9752665151,8319969626

खास-खबर ग्वालियर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए मंत्रालय में हुई उच्च स्तरीय बैठक

प्रदेश के हर क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के लिए सरकार प्रतिबद्ध : शुक्ल

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में ग्वालियर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण योजना की गहन समीक्षा की उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जल संसाधन मंत्री एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण तथा उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह और ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जय आरोग्य अस्पताल, ग्वालियर में सीटीवीएस (कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी) विभाग के आवश्यक पदों की स्वीकृति का प्रस्ताव तैयार करने और अस्पताल भवन के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों को शीघ्रता एवं प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

बैठक में ग्वालियर क्षेत्र के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के अधोसंरचना विकास, मैन पॉवर, उपकरण उपलब्धता की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर आवश्यक व्यवस्थाओं के उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार समस्त अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बाहर न जाना पड़े। इसके लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और चिकित्सकीय स्टॉफ की पर्याप्त नियुक्ति सुनिश्चित की जा रही है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत सांवेर विधानसभा क्षेत्र के स्वास्थ्य संस्थानों के उन्नयन के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त तरुण राठी, तथा संचालक नीरज कुमार सिंह उपस्थित रहे।

भोपाल की 45 स्वास्थ्य संस्थाएं नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड सर्टिफाइड

भोपाल। नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के तहत भोपाल के पांच और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का प्रमाणीकरण हुआ है। नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेंटर द्वारा जारी प्रमाणीकरण में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयुष्मान आरोग्य मंदिर रातीबड़ 89.51त्न और तुमड़ा 83.46त्न अंकों के साथ क्वालीफाई हुए हैं। उपस्वास्थ्य केंद्रों में आयुष्मान आरोग्य मंदिर मजीदगढ़ को 82.83त्न, आयुष्मान आरोग्य मंदिर बालमपुर को 87.60त्न, आयुष्मान आरोग्य मंदिर पिपलिया बाज खां को 84.03त्न अंक मिले हैं। इन संस्थाओं का मार्च माह में मूल्यांकन हुआ था। इन्हें मिलाकर अब तक भोपाल की 35 स्वास्थ्य संस्थाओं का प्रमाणीकरण नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड में हो चुका है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित, संपादक-सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला मो.-8889977997
आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2015/66998, (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। Email-vijaymat.bhopal@gmail.com

मुख्यमंत्री से की भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधि मंडल ने भेंट, मुख्यमंत्री को किसान हित में निर्णयों के लिए दिया धन्यवाद

प्रदेश में लगेंगे किसान मेले : मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के सभी संभागों में इस वर्ष किसान मेले आयोजित होंगे जिसमें किसानों को कृषि, खाद्य प्र-संस्करण, उद्यानिकी और पशुपालन से संबंधित विभिन्न कार्य पद्धतियों और नए अनुसंधान की जानकारी दी जाएगी। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से संबंधित मार्गदर्शन दिया जाएगा। कृषि कार्यों से जुड़े आधुनिक उपकरणों को प्रदर्शित भी किया जाएगा। आगामी 3 मई को मंदसौर में किसान मेले का आयोजन जा रहा है। संभाग स्तरीय किसान मेलों के बाद अक्टूबर माह में एक वृहद राज्य स्तरीय किसान मेला भी आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। इस अवसर भारतीय किसान संघ ने प्रदेश में किसानों को 5 रुपए के शुल्क पर विद्युत कनेक्शन और फसलों पर बोनस राशि प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

सुझावों पर करेंगे अमल

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि कृषक प्रतिनिधियों के सुझावों पर राज्य सरकार अमल करेगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को प्रदेश में गठित एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) को सक्रिय करने,किसानों द्वारा नरवाई जलाने को निरूत्साहित करने और रासायनिक खाद के उपयोग को कम करने के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में बड़ी परियोजनाओं के लिए किसानों की भूमि लेने पर बदले में भूमि देने के प्रावधान, किसान को हिस्सेदार और मालिक बनाकर उनका हित सुनिश्चित करने, दूध पर बोनस, कम पानी से सिंचाई से मक्का उत्पादन को प्रोत्साहित करने, गौशालाओं के अंतर्गत आधुनिक तकनीक से संचालन, उच्च शिक्षा में कृषि विषय के अध्ययन और जिलों में पर्याप्त पशु चिकित्सकों की व्यवस्था के संबंध में चर्चा हुई। बैठक में कमल सिंह आंजना, चंद्रकांत गौर, राम भरोसे बासोतिया, श्रीमती गिरजा ठाकुर, राजेन्द्र पालीवाल आदि शामिल थे। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास संजय कुमार शुक्ला, कृषि सचिव एम सेलवेंद्रन एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने का अभियान... मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में एक वर्ष में दस लाख सौर ऊर्जा पम्प प्रदान करने का लक्ष्य है। यह कार्य अभियान के रूप में चलेगा। एक हॉर्स पॉवर से दस हॉर्स पॉवर तक सोलर पम्प स्थापना के लिए किसान को राशि जमा करवाकर निर्धारित अवधि में कनेक्शन दिए जाएंगे। प्रदेश में किसान खुद बिजली बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मजरों टोलों के निवासी जनजातीय वर्ग के लोगों को इस कार्य में प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में गत तीन दिन में सोलर पम्प स्थापना के लिए लगभग 17 हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में वार्षिक विक्रमोत्सव, विश्वविद्यालय का नामकरण और अब महानाट्य मंचन की पहल

- गौरवशाली इतिहास से युवा वर्ग को परिचित करवाने का सशक्त माध्यम बना, महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर विक्रम संवत जिनके नाम पर प्रारंभ हुआ, ऐसे कल्याणकारी शासक रहे सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इसमें विक्रम विश्वविद्यालय का नामकरण, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय करने का निर्णय भी शामिल है। इसके पूर्व वार्षिक विक्रम उत्सव की शुरुआत कर राज्य सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य को यथोचित सम्मान देने का कदम उठाया था। इस क्रम में हाल ही में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महा नाट्य के माध्यम से रंगमंच के महत्व से भी पूरे राष्ट्र को अवगत करवा दिया है। वैसे तो इस डिजिटल युग में सूचना और मनोरंजन के कई फॉर्मेट लोकप्रिय हो चुके हैं, लेकिन भारतीय नाट्यशास्त्र की सुदृढ़ और समृद्ध परंपरा से जन-जन को विशेष रूप से युवा वर्ग परिचित करवाने के लिए नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य नाटक का निरंतर तीन दिन मंचन होना महत्व रखता है। बहुत दिन नहीं हुए जब हम डिजिटल तकनीक को आत्मसात कर बैठे थे। ऐसा लगता था कि पारंपरिक कलाओं को हम भूल रहे हैं। लेकिन मध्यप्रदेश से जो संदेश पूरे राष्ट्र में पहुंचा है वह यह है कि अभिनय, प्रकाश संयोजन, संगीत, वेशभूषा और विशाल मंच के माध्यम से हमारे पौराणिक चरित्रों का जीवन सामने आना चाहिए। हमारे वे आदर्श शासक और आराध्य जो युवा पीढ़ी द्वारा भुला दिए गए हैं या युवा पीढ़ी को हमने उनसे परिचित ही नहीं करवाया तो इसमें कसूर वर्तमान पीढ़ी का भी है। युवाओं के पास समय भी है। सृजन की शक्ति भी है, जिज्ञासा का तत्व भी विद्यमान है तो फिर उन्हें इन राष्ट्र के आदर्श प्रतीकों की जानकारी से वंचित क्यों रखा जाए और बच्चे भी कलाओं के प्रति रुचि रखते हैं, वे भी इस विधा के लिए जिज्ञासु हो सकते हैं। यदि उन्हें महान व्यक्तित्वों के बारे में ज्ञानवर्धक विवरण देने वाले नाटक मंचन से जोड़ा जाए।

रंगमंच कलाकार भी हुए उत्साहित... रंगमंच से जुड़े देश के हजारों कलाकारों का मन हर्षित है और वे मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार का भाव रखते हैं, जो उन्होंने इस कला को महत्व दिया और राज्याश्रय भी दिया। सैकड़ों कलाकारों को प्रोत्साहित किया। थिएटर की शक्ति सही दिशा में और सही विषय को लेकर दिखाई दी है।

दुष्कर्म मामलों में दोष सिध्द होने तक नाम ना हो सार्वजनिक, हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

विजय मत, ब्यूरो, जबलपुर

दुष्कर्म के मामलों में आरोपियों का नाम सार्वजनिक किए जाने को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने दुष्कर्म मामलों में आरोपियों की पहचान जाहिर करने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई को दौरान मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने सरकार को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए जवाब पेश करने का समय दिया है।

जबतक दोष सिध्द नहीं तबतक आरोपी निर्दोष

दरअसल, जबलपुर के डॉ। पीजी नाजपांडे व डॉ। एमए खान की ओर से ये याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया था कि आपराधिक नियम के तहत दुष्कर्म पीड़िता का नाम गुप्त रखने का प्रावधान है। इसके विपरीत दुष्कर्म के आरोपी का नाम सार्वजनिक कर दिया जाता है। ऐसा किया जाना लैंगिक भेदभाव है और संविधान की मंशा के विपरीत है। कानून में कहा गया है कि जब तक आरोप साबित नहीं हो जाता, तब तक अभियुक्त निर्दोष होता है। ऐसे गंभीर प्रकरणों में आरोपी का नाम सार्वजनिक करने से उसकी छवि प्रभावित होती है।

सरकार को जवाब पेश करने की अंतिम मोहलत

याचिका में मांग की गई कि ट्रायल पूरी होने तक दुष्कर्म के मामलों में आरोपी का नाम भी गुप्त रखा जाना चाहिए। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि कई अवसर दिए जाने के बावजूद भी सरकार की ओर से जवाब पेश नहीं किया गया है। इसे गंभीरता से लेते हुए युगलपीठ ने सरकार को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए जवाब पेश करने का समय दिया है।

दोषमुक्त हुए भी तो छवि हो जाती है खराब

याचिका में उदाहरण देते हुए कहा गया कि फिल्मी अभिनेता मधुर भंडारकर सहित कई व्यक्तियों पर दुष्कर्म के आरोप लगे थे और वह उन आरोपों में दोषमुक्त हो गए थे। लेकिन दुष्कर्म के आरोपी के रूप में नाम आने से उनकी सार्वजनिक प्रतिष्ठा धूमिल हुई थी। ऐसे कई मामले सामने आते हैं, जिसमें आरोपी पर लगाए गए दुष्कर्म के आरोप सिद्ध नहीं होते, लेकिन नाम सामने आ जाने से जीवन भर के लिए छवि धूमिल हो जाती है।

न्यूज इन शॉर्ट

बस खड़ी कर घर लौट रहे चालक की बाइक दूसरी बाइक से टकराई, मौत, दूसरा बाइक सवार घायल

भोपाल। परवलिया इलाके में देर रात एक सड़क हादसे में बस चालक की जान चली गई। हादसा उस वक्त हुआ जब चालक बस खड़ी कर अपनी बाइक से घर लौट रहा था। सामने से आ रही एक अन्य बाइक से उसकी भिड़ंत हो गई। वहीं खजूरी सड़क क्षेत्र में ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक देवेंद्र बैरागी (41) मूल रूप से विदिशा जिले के पीपलखेड़ा गांव का रहने वाला था। फिलहाल वह ग्राम भौंरी, थाना खजूरी सड़क के पास रहता था और पेशे से बस ड्राइवर था। सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात वह ड्यूटी के बाद बस खड़ी कर अपनी बाइक से घर लौट रहा था। तारा सेवनिया के पास सामने से आ रही एक बाइक ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में देवेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दूसरी बाइक सवार युवक को भी चोटें आई हैं।

मप्र के 12 हजार शिक्षक व 7 हजार सिलेक्टेड पुलिस आरक्षक परेशान

भोपाल। मध्यप्रदेश के 12 हजार शिक्षक एवं 7 हजार सिलेक्टेड पुलिस आरक्षक परेशान है। कारण नव नियुक्त 12 हजार शिक्षकों की 6 माह के बाद भी प्रोविजनल पीरियड खत्म नहीं हुआ है। डीपीआई स्कूल शिक्षा के शिक्षकों को परिवीक्षा अवधि समाप्त करने का आदेश दे चुका है लेकिन अधिकारियों ने अमल नहीं किया है। बता दें कि अक्टूबर 2022 में स्कूल शिक्षा और जनजाति विभाग में करीब 12 हजार पदों पर भर्ती हुई थी। उच्च माध्यमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी। नियुक्ति के नियम अनुसार 3 साल की परिवीक्षा अवधि पूर्ण करना अनिवार्य होता है। अक्टूबर 2024 में इन सभी शिक्षकों की अवधि खत्म हो चुकी है। इसी तरह पुलिस आरक्षक भर्ती का फाइनल रिजल्ट जारी होने के बाद सिलेक्टेड पुलिसकर्मी जिले के इंतजार में है। जिला आवंटन और मेडिकल एवं दस्तावेज सत्यापन की अब तक तारीख नहीं आई है। करीब एक महीने पहले फाइनल रिजल्ट जारी हुआ था। करीब सात हजार (7000) पदों पर आरक्षक की भर्ती हुई थी।

प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने जयपुर में आयोजित इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (IOA) मध्य क्षेत्रीय मिड टर्म सिम्पोजियम 2025 में लिया भाग

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने जयपुर में आयोजित इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (IOA) के मध्य क्षेत्रीय मिड टर्म सिम्पोजियम में प्रतिष्ठित वक्ता के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने पैथोलॉजिकल फ्रैक्चर विषय पर एक अत्यंत ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने हड्डी से संबंधित जटिल रोगों पर अपने व्यापक अनुभव को साझा किया। उन्होंने विभिन्न प्रकार के पैथोलॉजिकल फ्रैक्चर और उनके चिकित्सीय प्रभावों को समझाने हेतु विस्तृत इमेजिंग स्टडीज़ का सहारा लिया, जिससे उपस्थित विशेषज्ञों को बेहतर निदान और उपचार रणनीतियाँ विकसित करने में मदद मिली। यह दो दिवसीय सिम्पोजियम मध्य भारत के विभिन्न हिस्सों से आए ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञों के लिए एक सशक्त मंच सिद्ध हुआ, जहाँ उन्होंने अपने अनुभवों का आदान-प्रदान किया और इस क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध एवं प्रगति पर चर्चा की। सिम्पोजियम का मुख्य उद्देश्य चिकित्सीय पद्धतियों को और अधिक सुदृढ़ बनाना एवं रोगियों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराना था। सिम्पोजियम में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए आयोजकों द्वारा प्रो. सिंह को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, ऐसे वैज्ञानिक सम्मेलनों से चिकित्सा समुदाय की सामूहिक ज्ञान शक्ति को बल मिलता है। यह हमें नवीनतम अनुसंधानों और तकनीकों के अनुरूप अपने चिकित्सीय प्रयासों को परिष्कृत करने का अवसर देता है, जिससे रोगियों को अधिक प्रभावी उपचार मिल सके। एम्स भोपाल का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात रही।"

भोपाल में आवारा श्वानों पर नहीं लग रहा अंकुश

- नसबंदी में अनुमोदित राशि से कम खर्च कर रहा बीएमसी

विजय मत, भोपाल

राजधानी भोपाल में आवारा श्वानों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। जबकि बीएमसी ने शहर में एक साल में करीब 19 हजार 489 कुत्तों की नसबंदी चुका है। पिछले साल 18 हजार 497 कुत्तों की नसबंदी की गई थी। दो साल में 37 हजार 986 कुत्तों की नसबंदी हो चुकी है और इस नसबंदी कार्यक्रम में सवा चार करोड़ खर्च हो चुके हैं। बता दें कि भोपाल नगर निगम (बीएमसी) आवारा कुत्तों की नसबंदी पर सिर्फ 1100 रुपये खर्च कर रहा है, जो भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) द्वारा अनुशंसित 1650 रुपये की राशि से काफी कम है, जिसमें परिवहन के लिए 200 रुपये शामिल हैं। वर्तमान में बीएमसी केवल तीन पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) केंद्र संचालित करता है, जो प्रतिदिन 25 से 40 कुत्तों की नसबंदी करता है। इन केंद्रों की देखरेख करने वाले डॉ. डीपी सिंह ने बताया कम बजट के कारण बीएमसी सस्ती दवाओं का उपयोग करता है, लेकिन नसबंदी प्रक्रियाओं की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाता है।

पिछले चार वर्षों में 55 हजार से अधिक कुत्तों की नसबंदी

बीएमसी के पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पिछले चार वर्षों में 55,000 से अधिक आवारा कुत्तों की नसबंदी की गई। हालांकि, स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ रही है क्योंकि कथित तौर पर नसबंदी किए गए कुत्ते बढ़ते तापमान के साथ आक्रामक हो रहे हैं, अक्सर रात में वाहनों का पीछा करते देखे जाते हैं और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों पर हमला करते हैं। शहर में प्रतिदिन कुत्तों से संबंधित 15-20 शिकायतें आती हैं, कुत्तों के काटने की लगातार रिपोर्टें आती हैं, जिससे नागरिकों की जान भी चली जाती है, और यह निवासियों के लिए चिंता का विषय है।

भोपाल में तीन एनीमल बर्थ कंट्रोल सेंटर

भोपाल बीएमसी के तीन लोकेशनों पर एनीमल बर्थ कंट्रोल सेंटर बने हैं। यह सेंटर आदमपुर छावनी लैंडफिल साइट, अरवलिया गौशाला के पास और कोलार कजलीखेड़ा में है। इन सेंटरों पर नगर निगम का डॉग स्क्वॉड आवारा कुत्तों को पकड़कर लाता है, इसके बाद नसबंदी होती है। रोजाना 25 से 40 कुत्तों की नसबंदी हो रही है। जबकि एबीसी की क्षमता 300 से अधिक की है। निगम अधिकारियों के मुताबिक नसबंदी करने वाली एजेंसी बाहर की है।

बीकॉम, बीए में अब 9 की जगह देने होंगे 10 पेपर फाउंडेशन के होंगे 2 पेपर

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने आगामी शैक्षणिक सत्र से यूजी प्रथम वर्ष (बीकॉम, बीए, बीएससी, बीबीए आदि) में बड़े बदलाव लागू कर दिए हैं। विषय चयन की पूरी प्रणाली को बदलते हुए अब छात्रों को 9 की जगह 10 पेपर देने होंगे। अब तक फाउंडेशन ग्रुप में चार पेपर होते थे, लेकिन अब यह घटाकर केवल दो कर दिए गए हैं- हिंदी और अंग्रेजी। इसके अलावा वैकेशनल विषय के साथ एक नया अनिवार्य विषय (वेल्यू एडेड) जोड़ा गया है। ओपन इलेक्टिव सब्जेक्ट को अब मल्टी डिसिप्लीनरी सब्जेक्ट कहा जाएगा। इसमें अंडर स्टैंडिंग इंडिया, डिजिटल एंड टेक्नोलॉजिकल सॉल्यूएशन, हेल्थ एंड योगा एजुकेशन जैसे विषय जोड़े गए हैं। हर वर्ष इनमें से एक विषय का चयन करना अनिवार्य होगा। यह नया सिस्टम सत्र 2025-26 से परीक्षाओं में लागू होगा।

अन्त्योदय और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर से ही प्रेरित विचार है:निगम अध्यक्ष

विजय मत, भोपाल

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा है कि संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उसके जीवन स्तर में सुधार लाने के दृष्टिगत अंत्योदय और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के विचार से ही प्रेरित होकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय का नारा दिया और हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी अन्त्योदय की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ भारत के सभी नागरिकों को समान रूप से विकास के अवसर प्रदान करने के कार्य कर रहे हैं। सूर्यवंशी ने यह विचार बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के उपलक्ष्य में राजधानी के सरोजनी नायडू स्वशासी स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में ''मेरा संविधान-मेरा गौरव'' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में व्यक्त किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव के अलावा विश्वास चौहान, सुबबली शर्मा, प्रमोद चतुर्वेदी, अशोक नेमा सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय के प्राध्यापक, छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे। भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ.भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने डॉ. अम्बेडकर के व्यक्तित्व, कृतत्व तथा भारत के संविधान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा साहेब अम्बेडकर की सामाजिक समरसता की सोच एवं समतामूलक सशक्त भारत के निर्माण के व्यापक दृष्टिकोण के कारण ही आज हम दुनिया के सबसे मजबूत लोकतंत्र हैं और आज दुनिया के बड़े-बड़े देश रेड कारपेट बिछाकर हमारे नेताओं की प्रतीक्षा करते हैं।

महापौर श्रीमती मालती राय ने की "महापौर हेल्प लाईन" की समीक्षा

शिकायतों का त्वरित निदान सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

विजय मत, भोपाल

महापौर मालती राय ने ''महापौर हेल्प लाईन'' की समीक्षा करते हुए निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि ''महापौर हेल्प लाईन'' के माध्यम से प्राप्त नागरिकों की शिकायतों, समस्याओं का सतुष्टिपूर्ण ढंग से त्वरित निदान सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा के दौरान राय ने निगम अधिकारियों से लंबित शिकायतों के निराकरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की साथ ही अनेक शिकायतकर्ताओं से दूरभाष पर चर्चा कर फीडबैक भी लिया। महापौर राय को इस दौरान अवगत कराया गया कि चालू माह में वर्तमान तक कुल 1312 शिकायतें प्राप्त हुई है जिनमें से 876 शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है और शेष के निराकरण हेतु कार्यवाही त्वरित गति से की जा रही है। महापौर मालती राय ने मंगलवार को स्मार्ट सिटी कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम में महापौर हेल्प लाईन की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान महापौर राय ने हेल्प लाईन पर प्राप्त शिकायतों एवं उनके निराकरण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और विभिन्न विभागों के अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर उनके विभागों से संबंधित लंबित शिकायतों के साथ ही हेल्प लाईन पर प्राप्त होने वाली अन्य शिकायतों को भी और अधिक त्वरित गति से निराकृत करने के निर्देश दिए। इस दौरान महापौर राय ने अनेक शिकायतकर्ताओं से भी चर्चा की और शिकायतों के निराकरण के संबंध में फीडबैक भी लिया। शिकायतकर्ताओं ने उनकी समस्याओं,शिकायतों के घर बैठे ही समाधान पर संतोष व्यक्त करते हुए महापौर राय के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

जनता में खुशहाली लाने के लिए बनाए जाएं आनंद ग्रामः निदेशक गंगराड़े

भोपाल। राज्य आनंद संस्थान के निदेशक प्रवीण कुमार गंगराड़े ने कहा कि लोगों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए ग्राम स्तर पर अधिक से अधिक आनंद ग्राम स्थापित किए जाएं। उन्होंने यह बात खरगोन में आयोजित आनंद क्लब सदस्यों, आनंदम सहयोगियों एवं आनंदकों की समीक्षा बैठक में कही। निदेशक गंगराड़े ने कहा कि खरगोन जिले में आनंद विभाग की गतिविधियां सराहनीय हैं, लेकिन अभी और संभावनाएं हैं। उन्होंने स्वयं आनंदित रहते हुए दूसरों को भी आनंद संस्थान से जोड़ने की अपील की। विशेष रूप से आनंद, अल्पविराम जैसी गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए हेप्पीनेस वालंटियर्स की भूमिका को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि राज्य आनंद संस्थान द्वारा आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में आनंद की ओर सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

खास-खबर जल गंगा संवर्धन अभियान : जल आज सहेजेंगे तो हर खेत को मिलेगा कल

"तालाबों और कुओं को साफ रखें, वर्षा जल संचयन करें"

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रदेश के जिलों में जल स्त्रोतों के संवर्धन और संरक्षण के लिये विविध गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान में जनभागीदारी से जल संरक्षण का संकल्प साकार हो रहा है। प्राचीन जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार और नवीन जल संरचनाओं का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

उमरिया जिले के जनपद पंचायत करकेली में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत आयोजित वॉटरशेड महोत्सव-2025 जल संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल रही। कार्यक्रम में विधायक शिवनारायण सिंह, कलेक्टर धरणेन्द्र जैन, जनप्रतिनिधि, किसान, पंचायत प्रतिनिधि, महिला स्व-सहायता समूह, युवा, छात्र-छात्राएं, और स्थानीय जन मौजूद रहे। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 का उद्देश्य ÷हर खेत को पानी÷ देना है, ताकि किसानों को वर्ष भर सिंचाई की सुविधा मिल सके और खेती की उत्पादकता में वृद्धि हो। योजना के अंतर्गत वाटरशेड डेवलपमेंट एक महत्वपूर्ण घटक है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, भूजल स्तर को बढ़ाने और भूमि सुधार जैसे कार्यों पर केन्द्रित है।

देवास जिले में प्रशासन एवं ग्रामीणों के जनसहयोग से जनपद पंचायत देवास की ग्राम पंचायत टिगरिया गोगा एवं पर्वतपुरा के तालाब का गहरीकरण किया जा रहा है। इस तालाब के गहरीकरण होने से बारिश के दिनों में अधिक पानी का एकत्रितकरण होगा तथा वॉटर लेवल भी बढ़ेगा। इससे पेयजल के साथ खेती करने के लिए भी पानी मिल सकेगा।

छतरपुर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कई गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। ग्राम निवरिया में ग्रामीण लोगों की बैठक कर लोगों को तालाबों, कुएं एवं बावड़ियों की सफाई करने के लिए प्रेरित किया गया और श्रमदान करने की शपथ दिलाई गई। प्रताप सागर तालाब की सफाई अभियान का कार्यक्रम कराया गया। राजनगर अंतर्गत बसारी के ग्राम भैरा में श्रमदान किया गया। धार एवं तिरला विकासखंड में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए गए। धार के जीजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में ष्टस्स्ष्टष्ठक्कके छात्र-छात्राएं, नवांकुर समिति, सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद ग्राम जेतपुरा स्थित तालाब की सफाई के लिये श्रमदान किया गया।

भाजपा राज में दलितों पर अत्याचार चरम पर मुरैना गोलीकांड इसका ताजा प्रमाणः जीतू

विजय मत, भोपाल/ मुरैना

मुरैना जिले के हिंगोना गांव में बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर निकाले जा रहे शांतिपूर्ण जुलूस के दौरान डीजे बजाने को लेकर हुए विवाद में प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना के समर्थकों द्वारा एक दलित युवक संजय सेमिल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के पिता चिम्बन सिंह ने साफ तौर पर मंत्री समर्थकों को दोषी बताया है। इस हमले में रानू दौनेरिया नामक एक अन्य दलित युवक को भी गोली लगी और एक तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है।

ये गंभीर आरोप तब सामने आए जब मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मृतक दलित संजय के पिता चिम्बन सिंह जी से वीडियो कॉल पर बात की। पटवारी ने इस अमानवीय घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे भाजपा सरकार की दलित विरोधी मानसिकता का जीता-जागता प्रमाण बताया है। उन्होंने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि भाजपा शासन में दलितों पर हो रहे सिलसिलेवार अत्याचारों की खतरनाक प्रवृत्ति का हिस्सा है।

पटवारी ने अपने आरोपों का आधार बनाने के लिए केंद्र सरकार के आधिकारिक आंकड़ों का भी उल्लेख किया और कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (छब्त्ठ) की रिपोर्ट (2022) के अनुसार है - राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र, ये पांच राज्य, जहां भाजपा या उसके सहयोगी दल सत्ता में रहे, सबसे अधिक अपराध दर्ज हुए। मध्यप्रदेश दलितों के खिलाफ अत्याचार में तीसरे नंबर पर है। वर्ष 2022 में अजा समुदाय पर अत्याचार के 3,876 मामले दर्ज किए गए। अजा समुदाय के खिलाफ अपराधों में 4.2 प्रतिषत की बढ़ोतरी हुई है। हर रोज़ भारत में औसतन 58 दलितों पर अपराध दर्ज होते हैं। लेकिन मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार हाथ पैर हाथ धरे बैठी है! 2021 में मध्यप्रदेश के सागर ज़िले में एक दलित युवक रोहित की हत्या सिर्फ इस वजह से कर दी गई थी कि उसने ऊंची जाति के लोगों के सामने बैठने की हिम्मत की।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

अभिवादन से दीर्घजीवी होने का रहस्य

भारतीय संस्कृति में सभी धर्मशास्त्रकारों ने, ''अभिवादनशीलता'' को महान् धर्म और सदाचार का प्रमुख लक्षण बतलाया है। महाराज मनु ने अपनी स्मृति के प्रारम्भ में ही अभिवादनशील व्यक्ति को दीर्घायु, सद्विद्या, उत्तम यश और महान् बल पराक्रम की सहज ही प्राप्ति बतलायी है। मूलतः महर्षि मार्कण्डेयजी अभिवादनशीलता के सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं। उनमें विनय, नम्रता,शिष्टाचार, मर्यादा रक्षण, अभिवादनशीलता श्रेष्ठजन, वृद्धों तथा गुरूजन के प्रति आदर - बुद्धि, सेवाभाव आदि सदुणों का भण्डार भरा था, एवं नित्य विप्रों के अभिवादन करने से जो उन्हें आशीर्वाद प्राप्त हुआ, उसी से वे कालजयी महात्मा हुए तथा सदा - सदा के लिए अजर - अमर हो गये। अपने इस धर्माचरण से ऋषि मार्कण्डेयजी ने संसार में यह सन्देश दिया है कि '' अपने माता - पिता, गुरू तथा श्रेष्ठजन को सदा प्रणाम करना चाहिये और विनीत भाव से सदा उनका अभिवादन करना चाहिये। इससे दीर्घायु प्राप्त होती है और जीवन सफल हो जाता है।''इस बात के प्रमाणीकरण में पुराणों में एक कथा प्रसिद्ध है ऐसा वर्णन है कि जब मार्कण्डेय पांच वर्ष के थे, एक दिन वे अपने पिता महर्षि मृकण्डुजी की गोद में खेल रहे थे, उसी समय संयोग से एक महाज्ञानी मर्मज्ञ वहाँ आ पहुँचे और उन्होंने उस बालक के विशिष्ट लक्षणों को देखकर महर्षि मृकण्डु से कहा ''मुने! आपका यह बालक कोई सामान्य बालक नहीं है, यह दैवीगुणों से सम्पन्न है और इससे संसार का महान कल्याण होने वाला है। इसके शरीर में जो शुभ लक्षण हैं, ऐसे लक्षण किसी में हो तो वह अजर - अमर होता है, किन्तु इस बालक में एक विशेष लक्षण हैं , जिससे सूचित होता है कि आज के दिन से छः महीने होते ही वह मृत्यु को प्राप्त होगा। अतः आप आज, अब से ही इसके दीर्घ जीवन हेतु कार्य करें तथा इतना कह कर वे सिद्ध महात्मा चले गये। महात्माओं की भविष्यवाणी कभी भी मिथ्या नहीं होती है यह सोचकर महर्षि मृकण्डुजी ने मृत्यु टालने हेतु समय के पूर्व ही बालक का यज्ञोपवीत संस्कार कर दिया और कहा बेटा! तुम जिस किसी भी ब्राह्मण को देखना तब विनयपूर्वक प्रणाम करना।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

कांग्रेस के परिवार विशेष की ईर्ष्या और अहंकार का शिकार होते रहे अंबेडकर

रजनीश अग्रवाल

> डॉ भीमराव अंबेडकर को संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के चयन रोकने, लोकसभा चुनाव में पराजित करने की रणनीति, सरकार से त्यागपत्र देने के लिए मजबूर करने से लेकर देहांत के दशकों बाद तक भारत रत्न न देने का अहंकारी एवं अड़ियल रवैया हो या उनकी जन्मभूमि सहित अन्य महत्व के स्थानों की उपेक्षा कांग्रेस की सरकारों और नेताओं के षड्यंत्र की पोल खोलती हैं। बाबा साहब के मूल्यों से तो कांग्रेस ने कभी अपनाया ही नहीं।

नेहरू जी बाबा साहब अंबेडकर को संविधान प्रारूप समिति का अध्यक्ष नहीं बनाना चाहते थे। डॉ. एच.वी. हांडे अपनी पुस्तक आंबेडकर एंड मेकिंग ऑफ इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन में लिखते हैं कि जवाहरलाल नेहरू ने संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाने के लिए ब्रिटिश नागरिक आइवर जेनिंग्स का नाम सुझाया था. जब महात्मा गांधी ने नेहरू से कोई नाम सुझाने को कहा, तो उन्होंने आइवर जेनिंग्स का नाम आगे रखा. सरदार पटेल सहित कुछ लोगों ने इस सुझाव का विरोध किया, क्योंकि वे चाहते थे कि अध्यक्ष एक भारतीय हो। गांधी जी भी डॉ भीमराव अंबेडकर को अध्यक्ष बनाना चाहते थे। अंततः डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को संविधान सभा की प्रारूप समिति का अध्यक्ष चुना गया। यह अहंकार और ईर्ष्या आज भी उजागर होती है।कांग्रेस के परिवार विशेष के मित्र और कांग्रेस की नीति निर्धारक सैम पित्रोदा जनवरी 2024 में सोशल मीडिया पर लिखते हैं की डॉ भीमराव अंबेडकर का संविधान बनाने में योगदान नहीं है, नेहरू जी का है। नेहरू नीत कांग्रेस ने यह षडयंत्र किया कि अंबेडकर निर्वाचित जनप्रतिनिधि न बन पाएं। 1952 के पहले लोकसभा चुनाव बॉम्बे नार्थ में कांग्रेस ने सभी हथखण्डे अपनाकर पूरे संसाधन झोककर उन्हें हराया । 1954 में महाराष्ट्र के भंडारा में उन्होंने उपचुनाव लड़ा क्योंकि यहाँ उनके अनुयाइयों की संख्या बहुत ज्यादा थी. किन्तु यहाँ भी कांग्रेस ने उनको जीतने नहीं दिया। देश यह तथ्य कैसे भूल सकता है कि अंबेडकर के द्वारा बनाए गए संविधान की मूल प्रस्तावना को ही आपातकाल में कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार में बदल दिया गया। वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के चलते उन शब्दों को ठूंस दिया गया, जिन पर संविधान सभा और अंबेडकर की कोई सहमति नहीं थी। संविधान के आधारभूत ढांचे से ही छेड़छाड़ की गई जोकि अंबेडकर के संविधान में अपेक्षित नहीं थी। यह परिवार विशेष अपनी ही सरकारों में स्वयं को भारत रत्न देता रहा लेकिन जिन अंबेडकर का योगदान संविधान के निर्माण से लेकर स्वतंत्र भारत की विभिन्न नीतियों को बनाने में रहा, जिन्होंने सामाजिक न्याय के मार्ग से समाज को जोड़ने के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया, जो दक्षिण एशिया के सर्वाधिक शिक्षित अध्येयता रहे, ऐसे बाबा साहब अंबेडकर को भारत रत्न नहीं दिया। जब 1990 में गैर कांग्रेसी सरकार आई तब डॉ भीमराव अंबेडकर को उनके योगदानों को लेकर भारत रत्न दिया गया। क्या यह कांग्रेस का बाबा साहब के प्रति भेदभाव और अपमानजनक रवैया नहीं था ?

ईर्ष्या की पराकाष्ठा है कि एक परिवार के नाम पर मूर्तियां और योजनाओं का अंबार लगाने वाली कांग्रेस ने अंबेडकर की जन्म भूमि से लेकर उनसे जुड़े हुए महत्वपूर्ण स्थलों के प्रति उपेक्षा पूर्ण रवैया अपनाया। जन्मभूमि महू में 1991 में भाजपा की पटवा सरकार में स्मारक की नींव रखी गई। अचानक सरकार भंग कर देने के कारण बाद में जिसे भाजपा की शिवराज सरकार में पूर्ण किया गया। भाजपा सरकारों ने जन्मभूमि महू, शिक्षा भूमि लंदन, दीक्षा भूमि नागपुर, परिनिर्वाण भूमि दिल्ली और चैत्य भूमि मुंबई का विकास पंचतीर्थ के रूप में किया।

अंबेडकर और संघ-अपने पक्ष में अंबेडकर को खड़ा दिखाने के लिए कांग्रेस और कम्युनिस्ट लगातार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला बोलते रहे हैं। सामान्यतः संघ दैनंदिन की बहसों उलझता नहीं है। समाज में अब यह विमर्श स्थापित हो चुका है कि अंबेडकर और संघ का लक्ष्य सामाजिक समता लाना ही रहा है। कहीं पद्धति और प्रक्रिया में अंतर हो सकता है लेकिन भाव और लक्ष्य एक ही हैं। बाबा साहेब अंबेडकर ने मई 1939 में पुणे शिविर में जाकर कहा था कि मैं अचंभित हूँ कि स्वयंसेवक दूसरों की जाति पता किये बिना पूर्ण समानता और भाईचारे के साथ आगे बढ़ रहे हैं 7 संघ के कार्य और प्रयास की दिशा ठीक है पर गति अपेक्षा से कम है। हालांकि संघ का प्रचार प्रसिद्ध से दूर रहने के कारण चर्चाओं ज्यादा गतिविधियां नहीं आई है। कतिपय गिनीचुनी मीडिया रिपोर्ट से नियत का अंदाजा लगाया जा सकता है। सितंबर 1947 को दिल्ली की एक कालोनी में संघ के कार्यकर्ताओं के समक्ष अपने संबोधन में उन्होंने कहा था कि जब संघ संस्थापक श्री हेडगेवार जिंदा थे, मैंने आरएसएस के शिविर का दौरा किया था तथा अनुशासन, अस्पृश्यता के पूर्ण अभाव और कठोर सादगी से प्रभावित हुआ था 7 तब से मैं मानता हूँ कि संघ सेवा और आत्म बलिदान के उच्च आदर्श से प्रेरित है, जो किसी भी संगठन की ताकत होता है। (हिंदू = 17 सितंबर, 1947) अंबेडकर की संघ में स्वीकार्यता का सबसे अलग उदाहरण है कि संघ के स्वयंसेवकों द्वारा किये जाने वाला प्रातः स्मरण एकात्मता स्त्रोत में डॉ आंबेडकर का श्रद्धा पूर्वक उल्लेख बरसों से संघ कार्यालयों में हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख प्रचारक और भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी ने अपनी पुस्तक डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा (लोकहित प्रकाशन, लखनऊ) में लिखा है कि वे 1952 से 1956 तक अंबेडकर के साथ निकटता से जुड़े थे। ठेंगड़ी ने लिखा कि वे अंबेडकर की शेड्यूल्ड कास्ट्स फेडरेशन के महासचिव थे और 1952 के भंडारा लोकसभा उपचुनाव में अंबेडकर के चुनाव एजेंट थे। ये वही चुनाव है जिसमें कांग्रेस भरसक प्रयास कर बाबा साहब अंबेडकर को हराने में लगी हुई थी। इतना ही नहीं जब अंबेडकर को लेकर समाज में भ्रम था तब सहज भाव लेकिन बड़े संकल्प के साथ संघ ने अपने गठन के 75 वर्ष पूरे होने पर डॉ अम्बेडकर के विचार का प्रचार और स्टीकर में छपे महापुरुषों में एक डॉ आंबेडकर को भी घर घर पहुंचाया। यह दरअसल डॉ भीमराव अंबेडकर से कांग्रेस और परिवार विशेष में घनघोर ईर्ष्या एवं द्वेष रहा है। डॉ भीमराव अंबेडकर की विद्वता, योग्यता और सर्वस्वीकार्यता से भयाक्रांत रहे हैं। ऐसा अंबेडकर के साथ ही नहीं अपितु सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री से लेकर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भी यही भेदभाव,अपेक्षा और अपमान का भाव दिखाई पड़ता है। आज अंबेडकर विरोधी कांग्रेस अंबेडकर के कद की ओट में स्वयं को सुरक्षित करने की ताक में है लेकिन इस दौर में छिपना संभव नहीं है। बाबा साहब ने कांग्रेस और कम्युनिस्ट दोनों से ही जीवन भर संघर्ष किया और आज दोनों ही उनके मूल्यों के उलट समाज में जातीय संघर्ष और मजहबी कट्टरता की राजनीति करने में लगे हुए हैं।

लेखक - भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश मंत्री हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

धर्म को विज्ञान से नहीं आस्था से समझें

संजय गोस्वामी

हनुमान जयंती 12अप्रैल को भगवान हनुमान को समझने की कोशिश की जिसमें एक बात हैरान करने वाला था लेकिन सत्य है,वाल्मीकि की रामायण, किष्किन्धाकांड में वर्णित हनुमान के बचपन के वृत्तांत से हनुमान जी ने सूर्य को कैसे निगल लिया था, जबकि सूर्य पृथ्वी से लगभग 130 गुना बड़ा है?हनुमान जी के सूर्य को निगलने की कथा को पौराणिक दृष्टिकोण से समझा जाता है, न कि भौतिक विज्ञान के नियमों से। यह कथा वाल्मीकि रामायण और अन्य पुराणों में वर्णित है, जिसमें हनुमान जी की बाल्यकाल की अद्भुत शक्तियों का वर्णन किया गया है।कथा का संक्षिप्त विवरण जब हनुमान जी छोटे थे, तो उन्हें बहु तेज भूख लगी।रूपांतरित में यह कहा गया है सूर्य ने देखा कि बालक बहु तेज गति से उसकी ओर उड़ रहा है। सूर्यदेव ने सोचा, वह छोटा सा बालक पागल बैल की तरह मुझ पर आक्रमण कर रहा है। वायुदेव को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उसके मित्र सूर्यदेव एक छोटे से बालक को देखकर घबरा गए। हनुमानजी अब और अधिक तेज गति से आगे बढ़ने लगे। सूर्यदेव, सूर्यदेव, घबरा गए। बचाओ, बचाओ, वे चिल्लाए। कुछ ही समय में, देवताओं के राजा इंद्र, अपने हाथी पर सवार होकर प्रकट हुए। यह कोई साधारण हाथी नहीं था। ऐरावत सफेद रंग का था, और उसके चार दाँत थे। छोटे हनुमान को इंद्र का हाथी खिलौना लग रहा था। वे भूल गए कि उन्हें भूख लगी है, और हाथी के पीछे चले गए। चले जाओ, दुष्ट, चले जाओ, इंद्र ने चिल्लाया। इंद्र की चेतावनी को अनदेखा करते हुए, हनुमान आगे बढ़े और हाथी की सूंड पकड़ ली। इंद्र ने अपने शक्तिशाली हथियार, वज्र से हनुमान को दूर धकेल दिया। अन्य देवता सूर्यदेव के पीछे भागे। इंद्रदेव के नेतृत्व में सभी देवता गुफा के बाहर एकत्र हुए और वायुदेव से बाहर आने का आग्रह किया।तुम्हारा बेटा बहुत बढ़िया है, वायुदेव, इंद्र ने कहा, क्या लड़का है!क्या ताकत है! और वह निडर भी है, सूर्यदेव ने कहा।जब वह बड़ा होगा, तो हनुमान महान कार्य करेगा, इंद्र ने कहा।मैं हनुमान को असाधारण शक्ति का वरदान देता हूं, सूर्यदेव ने कहा।मैं उसे ज्ञान और बुद्धि प्रदान करता हूं, इंद्रदेव ने घोषणा की।वह अपनी इच्छानुसार बड़ा या छोटा हो सकता है। वह कोई भी रूप धारण कर सकता है, देवताओं में से एक ने कहा।इंद्र ने कहा, मृत्यु भी उसे छू नहीं सकती। मैं उसे अमर बना दूंगा।नन्हे हनुमान पर बरसते वरदानों को सुनकर वायु प्रसन्न हुए। इस बीच हनुमान दर्द से उबर चुके थे। हनुमान को गले लगाए हुए वायु देवताओं को धन्यवा देने के लिए गुफा से बाहर आए।हवा चलने लगी। मनुष्य और जानवर अब आसानी से सांस ले सकते थे। देवता खुश थे। उन्होंने हनुमान को आशीर्वा दिया और अपने घर लौट गए।तभी हनुमान को अपनी मां अंजना की आवाज सुनाई दी - हनु, तुम कहां चले गए। हनु...वायु द्वारा दिए गए एयर कुशन पर तैरते हुए हनुमान तुरंत घर की ओर चल दिए। जब हनुमान घर पहुंचे और अपनी मां को गले लगाया, तो वायु मुस्कुराए।सूर्य पृथ्वी से औसतन लगभग 93,000,000 मील (150 मिलियन किलोमीटर) की दूरी पर है। यह इतना दूर है कि सूर्य से प्रकाश, 186,000 मील (300,000 किलोमीटर) प्रति सेकंड की गति से यात्रा करते हुए, हमारे पास पहुंचने में लगभग 8 मिनट लेता है।सूर्य से पृथ्वी तक प्रकाश पहुंचने में औसतन 8 मिनट और 20 सेकंड का समय लगता है. प्रकाश की गति 2,99,792 किलोमीटर प्रति सेकंड होती है. पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी लगभग 150 मिलियन किलोमीटर है. वर्तमान में, सूर्य के केंद्र का तापमान लगभग 15 मिलियन डिग्री सेल्सियस (27 मिलियन डिग्री फ़ारेनहाइट) है। यह तापमान परमाणु संलयन नामक प्रक्रिया के कारण होता है, जो सूर्य के केंद्र में लगातार होता है। परमाणु संलयन में, हाइड्रोजन नाभिक आपस में मिलकर हीलियम नाभिक बनाते हैं, जिससे भारी मात्रा में ऊर्जा निकलती है।यह ऊर्जा सूर्य के बाहर की ओर विकिरण और संवहन द्वारा स्थानांतरित होती है, जिससे उसकी सतह का तापमान लगभग 5,500 डिग्री सेल्सियस (10,000 डिग्री फ़ारेनहाइट) हो जाता है।सूर्य के भविष्य में, जैसे-जैसे वह अपने ईंधन (हाइड्रोजन) को जलाता जाएगा, उसका केंद्र अधिक गर्म हो जाएगा। माना जाता है कि अगले 5 अरब वर्षों में, सूर्य का केंद्र तापमान 20 मिलियन डिग्री सेल्सियस (36 मिलियन डिग्री फ़ारेनहाइट) तक पहुंच जाएगाओजोन परत मुख्य रूप से समताप मंडल में स्थित है, जो पृथ्वी की सतह से लगभग 15 से 35 किलोमीटर (9 से 22 मील) ऊपर है। वायुमंडल के अन्य भागों की तुलना में इसमें ओजोन (ह्3) की उच्च सांद्रता होती है। जबकि ओजोन वायु प्रदूषक के रूप में क्षोभमंडल (निचले वायुमंडल) में मौजूद है, समताप मंडल की ओजोन परत ही वह है जो हमें यूवी विकिरण से बचाती है।जो शायद वहाँ तक पहुंचने में हनुमानजी को ताप का अहसास नहीं हुआ होगा और उनका शरीर भी वज्रदेह दानव दलन है जो इंसान से अलग है और जहाँ तक पृथ्वी से बड़ा का सवाल है वो तो अंतरिक्ष में चले गए और वहाँ पवनपुत्र के नाते सांस लेने में क़ोई परेशानी भी नहीं होगी अतः इसमें सच्चाई है क्योंकि ईश्वर को जानना कठिन है क़ोई यह नहीं बता सकता कि उसकी मौत कब और कैसे होगी तो ईश्वर पर विश्वास रखें और कर्म करें आप सफल होंगे उन्होंने आकाश में चमकते हुए सूर्य को एक लाल फल समझ लिया और उसे खाने के लिए आकाश में उड़ गए। अपनी दिव्य शक्ति के कारण वे तेजी से सूर्य की ओर बढ़े और उसे निगलने का प्रयास किया।इससे समस्त ब्रह्मांड में अंधकार छा गया, क्योंकि सूर्य ही प्रकाश का स्रोत था।

> हनुमान के चेहरे पर वार हुआ था। वे कराह उठे और उनका चेहरा फूलने लगा। वायुदेव को गिरते हुए बच्चे को देखकर घबराहट हुई। वह उसे अपनी बाहों में लेने के लिए तेजी से आगे बढ़ा। उसे उठाकर वायुदेव तेजी से एक गुफा के अंदर चले गए।जिस क्षण वायुदेव ने खुद को गुफा में बंद किया, हवा बहना बंद हो गई। मनुष्य और जानवर सांस लेने के लिए तरस गए। इंद्र चिंतित हो गए, क्योंकि उन्हें पता था कि जीवित प्राणी हवा के बिना लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकते। इंद्र वायुदेव के पीछे भागे। सूर्यदेव इंद्रदेव के पीछे भागे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

जिंदगी मंच पर थी, मौत ने पर्दा गिरा दिया

सोनम लववंशी

हर दिन के उजाले में हम जीवन का उत्सव मनाते हैं, पर हमें यह अहसास तक नहीं कि मृत्यु अब हमारी परछाई से भी तेज़ रफ्तार से हमारे करीब आ रही है। महाराष्ट्र के धाराशिव में मंच पर अचानक गिरी वर्षा खरात की मौत कोई अकेली घटना नहीं है, यह उस अदृश्य महामारी की गूंज है जो कोविड के बाद हमारे समाज में मौन पांव पसार रही है। सड़कों पर चलते, खेलते, नाचते, बोलते – हम जिन्दगी के सामान्य क्षणों को जीते हुए जैसे मौत से एक अनदेखा समझौता कर बैठे हैं। विडंबना यह है कि एक असामान्य परिस्थिति को भी हम सामान्य मानने लगे हैं। कोरोना वायरस ने केवल शरीर पर वार नहीं किया, उसने समाज की मानसिकता और सरकार की प्राथमिकताओं पर भी गहरा घाव किया है। कोरोना के बाद की यह अचानक गिरने, धड़कन थम जाने वाली घटनाएँ वास्तव में पोस्ट कोविड सिंड्रोम का विकराल चेहरा हैं। मेडिकल साइंस के अनुसार, कोविड के संक्रमण ने शरीर के अंदर सूक्ष्म रक्त वाहिनियों में थक्के बनाने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया। यह स्थिति कई बार बिना किसी पूर्व लक्षण के जानलेवा साबित हो रही है। हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट, माइक्रोथ्रोम्बस, ब्रेन स्ट्रोक – ये सब एकदम से हमला कर रहे हैं और अक्सर इतने तेजी से कि चिकित्सा सहायता भी समय पर नहीं पहुंच पा रही। भारत में कोविड के बाद कार्डियक मौतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आंकड़े बताते हैं कि 2020 से 2024 के बीच अचानक कार्डियक अरेस्ट के मामलों में 28 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। 30 वर्ष से कम उम्र के युवाओं में यह वृद्धि 15 प्रतिशत के करीब है। लेकिन यह आंकड़े अखबार के किसी कोने में दबे रह जाते हैं, उन पर न तो नीतिगत बहस होती है, न ही कोई राष्ट्रीय आपात चेतावनी जारी होती है। आखिर क्यों? हकीकत यह है कि सरकार और प्रशासन महामारी के बाद इस स्वास्थ्य आपातकाल को लेकर उतने सतर्क नहीं हैं, जितनी गंभीरता की आवश्यकता है। सार्वजनिक स्थलों पर इमरजेंसी मेडिकल सुविधाओं का अभाव, प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ की कमी, और तत्काल जीवनरक्षक उपकरणों स्वचालित बाह्य डिफिब्रिलेटर (एईडी मशीनों) की अनुपलब्धता हमारी व्यवस्था की ढुलमुल मानसिकता का प्रमाण हैं। किसी समारोह, कॉलेज फंक्शन या सार्वजनिक कार्यक्रम में सुरक्षा का मतलब केवल भगदड़ रोकने तक सीमित कर दिया गया है, स्वास्थ्य संबंधी आकस्मिकताओं के लिए तैयारियां अब भी हास्यास्पद रूप से अपर्याप्त हैं, और समस्या केवल चिकित्सा व्यवस्था तक सीमित नहीं है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8338

■	1		2		■	3	■	■
■		■		■	4			5
6		7	■	8			■	
■	9		10	■		■	11	
12	■	13				14	■	
15		■		■	16		17	■
	■	18			■	19		
20				■	21	■		■
■	■		■	22				■

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -8337 का हल

त	फ	री	ह	■	क	ल	र	व
क	■	छ	ल	क	प	ट	■	र
रा	ख	■	■	म	■	■	बं	दा
र	त	■	प	ल	क	■	दा	न
■	र	स	ना	■	मा	ख	न	■
त	ना	■	ह	म	ल	■	वा	स
ल	क	■	■	ग	■	■	ज	ल
घ	■	म	न	र	ख	ना	■	वा
र	म	जा	न	■	त	क	दी	र

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

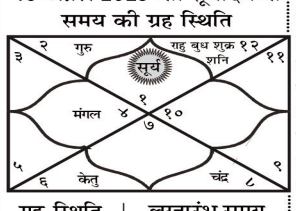

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.32 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृष	07.16 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.14 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.27 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	13.44 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	15.56 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.06 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.21 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.37 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मकर	00.42 बजे से
		कुंभ	02.29 बजे से
		मीन	04.01 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 106 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 13.18 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा अहोरात्र। **योग** व्यतीपात 00.18 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 13.18 बजे तदनन्तर बव 02.23 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 10° 08' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872316 **जूलियन दिन** 2460781.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 17 **विशेष** संकष्टी चतुर्थी, अनुसूया जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54	से 07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41	से 07.12	बजे तक
अमृत	07.22	से 08.51	बजे तक	शुभ	07.12	से 08.44	बजे तक
काल	08.15	से 10.19	बजे तक	अमृत	08.44	से 10.16	बजे तक
शुभ	10.19	से 11.47	बजे तक	चर	10.16	से 11.47	बजे तक
रोग	11.47	से 01.16	बजे तक	रोग	11.47	से 01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16	से 02.44	बजे तक	काल	01.19	से 02.51	बजे तक
चर	02.44	से 04.12	बजे तक	लाभ	02.51	से 04.23	बजे तक
लाभ	04.12	से 05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23	से 05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

यूज इन शॉर्ट

जल दान से जीवनदान, पक्षियों की प्यास बुझाने युवाओं ने रखे सकोरे

शहडोल। ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जानवरों एवं पशुओं को पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके इसके लिए शहडोल युवा टीम द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। आज युवा टीम द्वारा कमिश्नर कार्यालय परिसर एवं कलेक्ट्रेट परिसर के पार्क में पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए सकोरे रखे गए। इस कार्य में युवा श्री गौरव मिश्रा सहित अन्य युवा शामिल थे। गौरतलब है कि शासकीय कप्तान हाई स्कूल बुढार के प्राचार्य श्री देवेंद्र श्रीवास्तव द्वारा युवाओं को निशुल्क स्कोर उपलब्ध कराए गए थे। साथ ही हर घर नाद अभियान चलाकर जगह-जगह नाद करवाने की पहल की भी जा रही है जिससे पशु पक्षी अपनी प्यास बुझा सकें।

रोजगार मेला का आयोजन 17 अप्रैल को

शहडोल। शासकीय आई.टी.आई. परिसर शहडोल में 17 अप्रैल 2025 को प्रातः 10:30 बजे से 04 बजे तक जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में वी.जी. आटो कॉम्पोनेट प्राय. लिमिटेड, अहमदाबाद (गुजरात), भारतीय जीवन बीमा निगम, शहडोल, श्रीराम लाईफ इंश्योरेन्स, लिमिटेड, शहडोल, श्री सांई बाबा सिक्योरिटी सर्विस, शहडोल, एस.आई.एस. सिक्योरिटी, अनूपपुर, फिएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, अहमदाबाद (गुजरात), यजाकी इंडिया प्राय, लिमिटेड, भायला अहमदाबाद (गुजरात) कंपनियां शामिल होंगी। रोजगार मेले में इच्छुक अभ्यार्थी शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई,डिप्लोमा (समस्त ब्रान्च) सहित आवश्यक दस्तावेज लेकर रोजगार मेला में अपना पंजीयन करा सकते हैं।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल। उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय की उपस्थिति में आज कमिश्नर कार्यालय शहडोल के अमरकंटक सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय ने शहडोल संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और समस्याओं तथा शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए।जनसुनवाई में राजस्व से संबंधति, पीएम किसान, पीएम आवास, सीएम किसान, आर्थिक सहायता, खाद्य, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, जनजातीय विभाग सहित शासन द्वारा संचालित अन्य योजनाओं से संबंधित शिकायतों के आवेदन प्राप्त हुए जिनका निराकरण हेतु उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेश सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बेम्हौरी ज्वालामुखी मंदिर के पीछे लोहा पुलिया में लटकी मिली अज्ञात लाश

शहडोल। जिले के धनपुरी थाना अंतर्गत बेम्हौरी ग्राम में ज्वालामुखी मंदिर के पीछे स्थित लोहा पुलिया पर एक युवक की लाश पानी पर लटकी पाई गई। यह चौंकाने वाली घटना सोमवार की शाम को सामने आई।एक स्थानीय ग्रामीणों ने शव को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। प्रारंभिक जांच के अनुसारए लाश की दुर्गंध से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह शव लगभग 3.4 दिनों पुराना हो सकता है।एकड़ स्थानीय निवासी ने बताया कि गांव से कुछ दूर सुनसान स्थान पर मवेशी चरा रहे एक व्यक्ति ने दुर्गंध आने से मौके पर जाकर जब देखा तो एक शव पानी पर लटका दिखाई दिया। इसके बाद उसने गांव के लोगों को इसकी जानकारी दी। लोगों ने पुलिस को मामले की खबर दी थी। धनपुरी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। हालांकिए मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसारए प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा हैए लेकिन सभी पहलुओं पर गहनता से जांच करने का आश्वासन दिया गया है।धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह पैंद्रो ने बताया कि हमने मौके पर एक टीम भेज दी है। सूचना तंत्र की मदद से शव की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। विधिवत जांच संभवतः सुबह हो पाएगीए क्योंकि मौके पर गहरा नाला और झाड़ियां हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास के थानों व जिले से गुम इंसान की भी जानकारी मंगाई गई है। शव की शिनाख्त करवाने में पुलिस लगी हुई है।स्थानीय ग्रामीणों में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है। कई लोग इसे आत्महत्या मान रहे हैंए जबकि कुछ का मानना है कि इसके पीछे अन्य कारण हो सकते हैं। एक ग्रामीण ने कहाए यहां के लोग इस तरह की घटनाओं को लेकर बहुत चिंतित हैं।

विभाग स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन मिली जीत

शहडोल। विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमलाई के प्रतिभागी विभागीय एकल खेल कूद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अर्जित कर प्रांत के लिए चयनित किए गए ।दिनांक 11 और 12 अप्रैल 2025 को सरस्वती शिशु मंदिर अमरकंटक पत्रि नगरी में भैया बहनों की प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें जिला अनूपपुर, उमरिया और शहडोल के प्रतिभागी सम्मिलित हुए ।भैया अब्दुल अली कक्षा 12वीं ने तवा/डिस्कस फेंक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अर्जित किए,वहीं 400 मीटर की दौड़ में भैया कृष्णा सिंह कक्षा 12वीं द्वितीय स्थान अर्जित किये। भैया अभिषेक यादव कक्षा आठवीं 400 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किये, बहन भूमि महतो कक्षा छठवीं तवा फेक एवं गोला फेक में तीसरा स्थान प्राप्त की।

विजय मत विशेष– सांसद विधायकों को सड़क विकास के संबंध में मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय परिवहन मंत्री से क्या मांग नहीं रखनी चाहिए?

फोरलेन एवं सिक्सलेन रोड कनेक्टिविटी में शहडोल संभाग अछूता

विजय मत, शहडोल।

शहडोल। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के प्रयास और संकल्प से रोड कनेक्टिविटी के लिहाज से मध्य प्रदेश की सूरत बदलने वाली है परंतु आदिवासी बाहुल्य शहडोल संभाग सड़कों के विकास के मामले में बहुत पिछड़ा हुआ है। यह सही समय है यदि यहां के सांसद एवं विधायक संयुक्त रूप से एक प्रस्ताव बनाकर मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय परिवहन मंत्री से मांग करें तो अमरकंटक, बांधवगढ़, सरसी एवं बाणसागर के लिए रीवा जबलपुर कटनी डिंडोरी मंडला कान्हा सिवनी बालाघाट नागपुर अंबिकापुर बिलासपुर एवं रायपुर से सीधी एवं सुविधाजनक फोरलेन एवं सिक्सलेन रोड़ कनेक्टिविटी हो सकती है।

अभी हाल ही में श्री गडकरी ने धार जिले के बदनवार में 5800 करोड़ की लागत वाले 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का भूमि पूजन और लोकार्पण किया है। मंच से ही मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की मांग पर उन्होंने 12000 करोड़ की लागत से बनने वाले 400 किलोमीटर के छह और हाईवे प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है।

ग्रीनफील्ड इकोनामिक कॉरिडोर

श्री गडकरी ने घोषणा किया है कि मध्य प्रदेश में ग्रीन फील्ड इकोनामिक कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इनकी कुल लागत 31000 करोड रुपए आएगी। यह प्रदेश का चेहरा बदल देंगे। श्री गडकरी ने कहा है कि नेशनल हाईवे नेटवर्क 3 साल में अमेरिका से बेहतर होगा । श्री गडकरी ने जिन ग्रीन फील्ड इकोनॉमी की बात की उनमें भोपाल-जबलपुर, भोपाल -इंदौर, इंदौर - हैदराबाद, देवास - उज्जैन, उज्जैन -मंदसौर और इंदौर- नागपुर है परंतु अफसोस कि हमारा शहडोल संभाग सड़क विकास से अछूता है।

सवाल उठता है कि शहडोल संभाग की लीडरशिप क्या कमजोर है या इच्छा शक्ति में कमी है। माना कि हमारे यहां के सांसद एवं ज्यादातर विधायक आदिवासी और सीधे सरल है किंतु शहडोल जिला प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ला तो प्रदेश के नंबर दो ताकतवर नेता और उपमुख्यमंत्री हैं। यदि यहां के सांसद विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि मिलकर प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मिले और सड़क विकास की मांग रखें तो शहडोल संभाग के तीनों जिलों की तस्वीर बदल सकती है। जरूरत इच्छाशक्ति की है। यदि इच्छाशक्ति जागृत हो जाए तो शहडोल संभाग का सर्वांगीण विकास हो सकता है।

औद्योगिक विकास के लिए भी रोड कनेक्टिविटी जरूरी

रीजनल इन्वेस्टर कॉन्क्लेव के पश्चात भी शहडोल में औद्योगिक विकास की फाइल ठंडे बस्ते में चली गई प्रतीत होती है क्योकि कोई गतिविधियां नहीं दिखाई दे रही है। इसके पीछे भी शायद रोड़ कनेक्टिविटी की सुविधा नहीं होना एक कारण है । उद्योगपति भी खराब सड़कों की वजह से उद्योग स्थापना में करोड़ों का खर्च करने से कतरा रहा है।

रोड़ कारीडोर बनाया जाए -सुशील सिंघल

वरिष्ठ समाजसेवी एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट सुशील सिंघल ने कहा है कि जबलपुर से बांधवगढ़ और बांधवगढ़ से शहडोल, शहडोल से अमरकंटक एवं बांधवगढ़ से सरसी का कॉरिडोर बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहडोल संभाल के विकास के लिए रोड कनेक्टिविटी बेहतर होना जरूरी है। श्री सिंघल ने कहा कि बड़े अफसोस की बात है कि उमरिया शहडोल नेशनल हाईवे का निर्माण पिछले 9 -10 वर्षों से अधूरा है और तमाम प्रयासों के बावजूद तथा प्रभारी मंत्री व उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला के निर्देशों के बावजूद यह हाईवे कंप्लीट नहीं हो रहा है। यदि विकास चाहिए तो सांसद विधायक एवं अन्य जन प्रतिनिधियों को जागरूक होना पड़ेगा।

बेहतर कनेक्टिविटी से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा- अनिल गुप्ता

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल गुप्ता ने कहा है कि शहडोल संभाग में सड़क की बेहतर कनेक्टिविटी से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। श्री गुप्ता ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव विकास के प्रति बहुत ही संवेदनशील है यदि सभी जनप्रतिनिधि मिलकर मुख्यमंत्री से अपनी बात रखें तो अमरकंटक बांधवगढ़ एवं सरसी के लिए मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ एव महाराष्ट्र के बड़े शहरों से रोड कनेक्टिविटी के लिए प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिल सकती है। श्री गुप्ता ने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर हमारे शहरों में संभाग में पर्यटन उद्योग की असीम संभावनाएं हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने से हमारी इकोनॉमी भी अच्छी होगी। बांधवगढ़ जैसे नेशनल पार्क अमरकंटक और सरसी को जोड़ने वाली कॉरिडोर का निर्माण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में मेरा प्रयास होगा कि सांसद एवं विधायकों के संयुक्त हस्ताक्षर से ज्ञापन तैयार कर मुख्यमंत्री को रोड कनेक्टिविटी के संबंध सौंपा जाए।

नर्मदा प्रगति पथ बेहतर कनेक्टिविटी देगा - संजय मित्तल

जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष संजय मित्तल ने कहा है कि फरवरी 2022 में मध्य प्रदेश कैबिनेट ने 906 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे के निर्माण को मंजूरी दी थी, जिसका नाम नर्मदा प्रगति पथ रखा गया है। वर्तमान में, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है, और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अभी शुरू होनी है।

नर्मदा एक्सप्रेसवे भारतमाला परियोजना (बीएमपी) के तहत एक नई परियोजना है जिसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा शुरू किया गया है। यह मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी के किनारे बनाया गया एक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे है। यह 6-लेन का एक्सप्रेस-कंट्रोल्ड हाईवे होगा जो राज्य में बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इस पहल को क्षेत्र में बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा करने और समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से रोड कनेक्टिविटी जीरो- मनजीत

प्रतिष्ठित होटल व्यवसायी सरदार मनजीत सिंह का कहना है कि शहडोल से कहीं भी जाने के लिए कोई रोड कनेक्टिविटी नहीं है। जो सफर में हमें समय 45 मिनट का लगना चाहिए उसमें 3 घंटे का समय लग रहा है । 5 रेलवे फाटक पड रहे। जबलपुर जाने में शहडोल में कनेक्टिविटी जीरो है । शहडोल, अनूपपुर में अभी फिल्म सिटी वाले आए थे दो फिल्में बनी है । हमारे होटल में वह रुके थे। वह लोग कनेक्टिविटी की वजह से बहुत ज्यादा नाराज थे। उन्होंने कहा कि शहडोल संभाग में लोकेशन बहुत अच्छा है लेकिन कनेक्टिविटी जीरो। उन्होंने बताया कि वैनलिटी वैन आई थी भोपाल से तो बहुत दिक्कत गई। श्री मनजीत ने अफसोस जारी करते हुये कहा कि हमारे जनप्रतिनिधियों का कोई प्रयास नहीं है यहां फोरलेन और सिक्स लेन बनाना शहडोल संभाग वासियों का सपना ही रह जाएगा।

शहडोल संभाग रोड क्रांति से हमेशा अछूता रहा- मनीष केजरीवाल

विकसित भारत में फोरलेन सिक्स लेन एट लेन बन रहे हैं इसका फायदा कुछ बड़े शहरों तक की कीमत है और कुछ विशेष राज्यों तक दूसरे जो छोटे शहर हैं उनको इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है विशेष तौर पर शहडोल को क्योंकि शहडोल से बड़े शहर जो भी कनेक्ट होते हैं उनके रोड की स्थिति इन 20 25 सालों में जब से मैं देख रहा हूं कभी भी अच्छी नहीं रही शहडोल से कटनी जाना हो जबलपुर जाना हो रायपुर जाना हो प्रयागराज जाना हो कहीं भी जाना हो कभी भी रोड अच्छी नहीं मिली है अगर कहीं अच्छी रोड है तो बीच-बीच में उसके हिस्से खराब है शहडोल संभाग रोड क्रांति से अछूता है देश में रोड बन रही है लेकिन जब तक सभी राज्यों में छोटे शहरों में तरक्की ना दिखे तब तक वह तरक्की नहीं कहलाती उम्मीद है कि जल्दी शहडोल को भी जनप्रतिनिधियों के प्रयाससे रोड मिलेगी और हम भी शहडोल संभाग वीडियो के लिए सफर म सुगम जाएगा।

छत्तीसगढ़ से भी अच्छी कनेक्टिविटी चाहिए-चारू

समाजसेवी अभिषेक प्रताप तिवारी (चारु) ने कहा है कि रायपुर से शहडोल तक हमको फोरलेन चाहिए क्योकि इस मार्ग से बड़े काम आते हैं। शहडोल से जबलपुर की रोड अभी तक बनी नहीं है। जबलपुर, शहडोल,रीवा इन तीन शहरों से कनेक्ट करने से इंडस्ट्रियल एरिया के मामले में शहडोल नंबर वन हो जाएगा और यहां के जो मजदूर है उनको इंडस्ट्रीज मिलेगी जिससे उन्हें फायदा होगा। हमको छत्तीसगढ़ से अच्छी कनेक्टिविटी चाहिए।

बिलासपुर, कटनी, रीवा का कारीडोर बने-अमित बजाज

चार्टेड एकाउण्टेन्ट अमित बजाज ने कहा है कि बिलासपुर से सारे रूट लगभग कनेक्ट है । शहडोल से बिलासपुर कटनी और रीवा एक कॉरिडोर यहां बनना चाहिए जिससे कनेक्टिविटी अन्य स्थानों में हो जाएगी। हमारा शहडोल ही है जो अभी तक कनेक्टिविटी से अछूता है। फोरलेन और सिक्सलेन हो जाने से ट्रांसपोर्टिंग भी बढ़ेगी। एक कॉरिडोर बनेगा तो उससे टूरिज्म भी बनेगा जैसे अमरकंटक,बांधवगढ़,सरसी आईलैंड टूरिज्म और व्यापार दोनों में बढ़ोतरी होगी गवर्नमेंट को शहडोल पर ध्यान देना चाहिए और यहां के जनप्रतिनिधियों को भी प्रमुखता से मांग उठानी चाहिए।

लीडरशिप की उदासीनता - डॉ. राजेश पाण्डेय

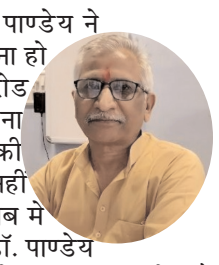

सेवानिवृत्त वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजेश पाण्डेय ने कहा है कि शहडोल से किसी भी दिशा में जाना हो तो अच्छी रोड नही है। बड़ी मुश्किल से रीवा रोड का काम हुआ भी तो अधूरा, फोरलेन होना चाहिए था। रायपुर जाना तो अभी भी दुस्वप्न की तरह प्रतीत होता है। सड़को के मामले में ही नहीं औद्योगिक विकास भी यहां के जनता के नसीब मे नहीं है। शायद लीडरशिप की उदासीनता है। डॉ. पाण्डेय की एक कविता बहुत कुछ कहती है- विकास के नाम पर क्या होता है जब भी होता है चुनाव होता है। उन्होनें कहा है कि संभाग के जन प्रतिनिधियों को जागरूक होना होगा तभी हम विकास के सपनों को साकार कर सकेंगे।

हाथियों के उत्पात से चंदोला गांव की गेहूं फसल को नुकसान

विजय मत, ब्यौहारी।

ब्यौहारी के चंदोला गांव में हाथियों के उत्पात ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है, लेकिन वन विभाग की सक्रियता से स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास जारी हैं। इस प्रकार की घटनाएं केवल स्थानीय कृषि पर ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय पारिस्थितिकी पर भी प्रभाव डालती हैं।

शहडोल के ब्यौहारी वन परिक्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात बढ़ता जा रहा है, जिससे चंदोला गांव के किसानों की गेहूं की फसल को व्यापक नुकसान हुआ है। वन विभाग ने इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गांव में मुनादी करवाई गई है, ताकि स्थानीय निवासियों को इस बारे में जागरूक किया जा सके।एसडीओ रेशम सिंह धुर्वे ने बताया कि हमारी तीन टीमें इस क्षेत्र में हाथियों की निगरानी के लिए सक्रिय हैं। पिछले

कुछ महीनों से हाथियों का एक झुंड यहां विचरण कर रहा है, जिसकी संख्या डेढ़ दर्जन से अधिक है। हमने मंगलवार को सुबह कई गांव में मुनादी करवाई है ताकि किसान सतर्क रह सकें।

हाथियों का बढ़ता आतंक

पिछले कुछ समय से चंदोला गांव और आसपास के इलाकों में हाथियों के कारण किसानों में चिंता बढ़ गई है। हाल ही में, हाथियों ने कई खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को बर्बाद कर दिया, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। पुलिस और वन विभाग की टीमों ने सोमवार की शाम को समधिन नदी के किनारे हाथियों के झुंड को देखा, जब वे शहडोल-रीवा मार्ग पर विचरण कर रहे थे। जिसे देखकर कुछ लोगों ने अपने मोबाइल कैमरे में इस नजारे को कैद किया तो कुछ लोग डर के मारे वहां से भाग खड़े हुए।

वन विभाग की सक्रियता

वन विभाग ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है। विभाग की टीमें मौके पर पहुंची और सुनिश्चित किया कि हाथी जंगलों की ओर वापस लौट जाएं। वन विभाग के एसडीओ ने यह भी बताया कि हम नुकसान का पंचनामा तैयार कर रहे हैं, ताकि प्रभावित किसानों को मुआवजे की राशि दिलाई जा सके।हालांकि जंगली हाथियों द्वारा फसल को होने वाले नुकसान की समस्या गंभीर है, लेकिन वन विभाग का मानना है कि हाथियों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। वन्य जीवन के संरक्षण के लिए जरूरी है कि मानव और वन्य जीवों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। वन विभाग ने स्थानीय किसानों से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें और हाथियों के प्रति संवेदनशील रहें।

अनियंत्रित मिनी ट्रक खाई में गिरा, चालक-परिचालक गंभीर

विजय मत, शहडोल।

मंगलवार को सुबह सिंहपुर थाना क्षेत्र के पतखई घाट में एक लोहे से लोड मिनी ट्रक 60 फीट गहरी खाई में गिर गया। घटना सुबह लगभग 10 बजे हुई, जब सड़क से गुजर रहे स्थानीय लोगों ने इस दुर्घटना को देखा और तुरंत मदद के लिए जुट गए। स्थानीय निवासियों ने बड़ी मेहनत के बाद चालक और परिचालक को ट्रक के नीचे से निकाला।मौके पर पहुंचे लोगों ने बताया कि मिनी ट्रक का क्रमांक एचआर 55 ए के 3330 रायपुर से शहडोल की ओर लोहा लोड करके जा रहा था। तभी ट्रक के चालक ने वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया और वह सीधे खाई में जाकर गिर गया। चश्मदीद राजू पनिका ने बताया कि ट्रक अचानक घाट में अनियंत्रित हो गया और सीधे खाई में गिर गया। चालक और परिचालक बुरी तरह से ट्रक के नीचे फंस गए थे। स्थानीय लोगों ने तुरंत कार्रवाई करते

हुए नीचे उतरकर दोनों को निकालने में मदद की।घटनास्थल पर जमा हुए लोगों की संख्या तेजी से बढ़ गई और कई लोग मदद के लिए आगे आए। घटना के समय सड़क पर मौजूद लोगों ने कहा कि हमने देखा कि ट्रक खाई में गिर गया है और तुरंत नीचे उतरने का फैसला किया। हम सभी ने मिलकर घायलों को ट्रक से बाहर निकालने और चालक तथा परिचालक को सुरक्षित निकालने का प्रयास किया है।इधर, सूचना मिलने के बाद सिंहपुर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

जनसुनवाई

नगरपालिका के फरमान से बेरोजगार हुये लोगों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

फूड स्टाल बंद होने से रोजी रोटी का आ गया संकट

विजय मत, शहडोल।

कलेक्टर को देखने तरसते थे फरियादी शहडोल।कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में शहडोल जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं व शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

बिजली उपभोक्ताओं ने की फरियाद

जनसुनवाई में सोहागपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत पिपरिया के सरपंच, उपसरपंच सहित अन्य लोगों ने कलेक्टर को आवेदन देकर बताया कि उनके ग्राम पंचायत पिपरिया के वार्ड क्रमांक 12,13, 14, एवं 15 में लगभग 100 से अधिक घर की बस्ती है। जिसमें बिजली सप्लाई हेतु केवल एक ट्रान्सफर्मर लगा हुआ है एवं सभी घरों में बिजली का कनेक्शन एक ही ट्रांसफर्मर से दिया गया। उन्होनें बताया कि एक ट्रांसफार्मर से उनकी बस्ती के सभी घरों के लिए पर्याप्त मात्रा में बिजली की सप्लाई नहीं कर पा रहा हैं जिस कारण से काफी

समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हैं। उनका कहना था कि उनकी बस्ती में एक और ट्रांसफार्मर लगा दिया जाए। जिस पर कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जिला जेल के सामने 18 महीने से लगाते थे फूड स्टाल

जनसुनवाई में राहुल प्रजापति, आकाश वर्मन, शनि चौधरी एवं सत्यम वर्मन ने संयुक्त रूप से कलेक्टर को आवेदन हेते हुए बताया कि वे लगभग 18 महीने से जिला जेल के सामने अलग-अलग प्रकार के फूड स्टॉल लगाते आ रहे हैं एवं उनकी आय का एक मात्र साधन फूड स्टॉल ही है, जिससे उनके परिवार का पालन पोषण हो रहा है। उन्होनें बताया कि 09 अप्रैल 2025 को नगरपलिका द्वारा फूड स्टॉल हटाने का निर्देश दिया गया था। जिसके बाद अभी तक हमारा फूड स्टॉल नहीं लगा है। जिस कारण से हमारी आय का साधन ही समाप्त हो गया है एवं परिवार का पालन पोषण करने में काफी समस्याओं का समना करना पड़ रहा है। उनका कहना था कि उन्हें पुनः स्टाल लगाने की अनुमति प्रदान की जाए। जिस पर कलेक्टर ने नगरपालिका अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार कलेक्टर ने जन सुनवाई में अन्य आवेदनों की भी सुनवाई की तथा संबंधित अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर निराकरण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अरविंद शाह, डिप्टी कलेक्टर श्री भागीरथी लहरे सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थें।

कोयांचल क्षेत्र में बालाओ के बाद बच्चों की तस्करी

विजय मत, उमरिया।

कोयांचल क्षेत्र में अपराधों का ग्राफ निरंतर बढता जा रहा है। कुछ वर्षो की बात करें तो इन क्षेत्रों से कई बालाएं लापता हो चुकी है जिनमे से कुछ एक की तफतीष तो हुई बाकी आज भी उनकी तफतीष ही हो रही है । अपराध की बात करें तो बाल तस्करी से जुडा मामला सोमवार की रात सामने आया । नौरोजाबाद थाना अंतर्गत

ग्राम बोदली में मिला है,जहां दर्जन भर मासूमो को ग्राम रहठा से ऑटो में ले जाया जा रहा था,पर उन्ही में कुछ बच्चों ने जागरूकता का परिचय दिया जिसके बाद इस पूरे मामले का खुलासा हुआ और ग्रामीणों की मदद से बच्चे सुरक्षित घर पहुंचे है।खबर है कि एक अज्ञात चालक उमरिया पासिंग ऑटो क्रम एमपी 54 जेड ए 3436 से करीब दर्जन भर मासूम बच्चों को ग्राम रहठा से अपहृत कर अन्यत्र ले जा रहा था,परन्तु इसी बीच कुछ बच्चों ने जागरूकता का परिचय देते हुए अपहृत के चंगुल से निकल लिए और वापस घर आकर परिजनों से आपबीती बताई।जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ है,और पुलिस को जानकारी दी है।खबर यह भी है कि ग्राम रहठा से 03 किमी दूर ग्राम बोदली में बच्चों से भरा ऑटो पकड़ लिया गया है,खबर यह भी है कि मौके पर एक से दो बच्चों को रस्सी से बांधा भी गया था।बताया जाता है कि अपहृत सभी बच्चे 10 साल से छोटे है। इस मामले से जुड़ा ऑटो चालक फिलहाल घटना स्थल से फरार भी हो गया है।जिस वजह से इस पूरे घटनाक्रम के पीछे की मंशा फिलहाल साफ नही हो पाई है।बाल तस्करी एक गम्भीर मामला है,इतनी बड़ी तादात में बच्चों के अपहरण के पीछे अज्ञात ऑटो चालक की क्या मंशा थी,ये तो जांच का विषय है,परन्तु इस गम्भीर घटना की खबर के बाद बच्चों के परिजन निश्चित ही काफी भयभीत है। 'आपको बता दे जिले में चाइल्ड ट्रैफिकिंग के मामले लगभग नगण्य है,परन्तु ये खबर समूचे जिले में दहशत का माहौल पैदा कर दी है।चाइल्ड ट्रैफिकिंग अमूमन 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ होती है,ऐसे बच्चों को अपराधी शारीरिक यौन शोषण, जबरन श्रम, गुलामी, घरेलू नौकर,अंग निकालने आदि के लिए करते है,ऐसे अपराधियों के चंगुल से बचने सभी परिजनों को अपने बच्चों के प्रति ज़िम्मेदारी से नज़र रखने की ज़रूरत है।बच्चों के अपहरण जैसे संवेदनशील मामले में क्या सच्चाई है यह तो पुलिस जांच में साफ हो ही जायेगा,पर ऐसे गम्भीर मामले हम सभी परिजनों को बच्चों की सुरक्षा के प्रति और अधिक सजग रहने की नसीहत ज़रूर देते है। अतिसंवेदनशील इस पूरे मामले में थाना प्रभारी राजेश मिश्रा ने बताया कि इस पूरी घटना की जांच की जा रही है।,फिलहाल इस मामले से जुड़ा ऑटो ड्राइवर फरार है,जिसकी तलाश की जा रही है।

यूज इन शॉर्ट

पुस्तक मेले में नेशनल बुक ट्रस्ट आफ इंडिया तथा केन्द्रीय संस्.त विश्वविद्यालय दिल्ली से प्राप्त पुस्तक का किया गया वितरण

उमरिया - पीएम श्री शासकीय बालक उमावि कालरी में आयोजित तीन दिवसीय पुस्तक मेले में नेशनल बुक ट्रस्ट आफ इंडिया से प्रात 45 पुस्तको, केन्द्रीय संस्.त विश्वविद्यालय दिल्ली से प्राप्त 5 पुस्तकों का वितरण कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन सहित अन्य अतिथियों व्दारा माध्यमिक शिक्षा शासकीय हाई स्कूल छांदाकला की माध्यमिक शिक्षक श्रीमती भारती, शासकीय कन्या हाई स्कूल करकेली की माध्यमिक शिक्षक सफीकुन खान, शासकीय हासे स्कूल उमरिया के माध्यमिक शिक्षक जावेद अहमद, शासकीय हाई स्कूल कल्दा के प्राथिमक शिक्षक नेमीचंद उइके, शा0 हाई स्कूल डोंगरगवां के माध्यमिक शिक्षक रमेश पटेल तथा शास0 हा0से0 स्कूल मजमानी कला के शिक्षक .ष्ण पाल टेकाम को किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी, जिला समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान संजय सिंह बघेल सहित अभिभावक, पुस्तक विक्रेता उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय पक्षी मोर के इलाज में जुटा बीटीआर प्रबंधन

उमरिया- विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में घायल राष्ट्रीय पक्षी मोर के इलाज़ हेतु डाक्टरों की टीम जुटी हुई है। बीटीआर के अधिकारी सोमवार को पनपथा के बफर क्षेत्र के खुसरिया के जंगल में टीम के साथ गश्त कर रहे थे, कि घायल अवस्था में मोर सड़क किनारे पड़ा हुआ था। बीटीआर की टीम ने मोर को उठाकर परिक्षेत्र कार्यालय ले आए। घायल अवस्था में मिले मोर का डाक्टरो की टीम ने इलाज प्रारंभ कर दिया है। परिक्षेत्र अधिकारी पनपथा बफर एस एस मार्को ने बताया मोर का इलाज किया जा रहा है। मोर अब स्वस्थ है। निगरानी की जा रही है। स्वस्थ होते ही जंगल में छोड़ दिया जाएगा। मोर को चम्मच से पानी और खाना दिया जा रहा है। उपसंचालक पीके वर्मा ने बताया कि हम सभी वन्य प्राणियों और पक्षियों पर निगरानी रखते हैं। लगातार वन क्षेत्र में गश्त करते हैं।

मृतक के परिवार को दस हजार रूपये की मुहैया कराई गई आर्थिक सहायता

उमरिया । बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया के वन परिक्षेत्र धमोखर बफर अंतर्गत बीट पिपरिया के कक्ष क्रमांक- आरएफ - 95, में विजय कोल पिता अर्जुन कोल उम्र लगभग 12 वर्ष निवासी पिपरिया को महुआ बिनने के दौरान मादा बाघ द्वारा मार कर घटना स्थल से घसीट कर बिछलीनाला के पानी में छोड़ दिया गया था। मृतक के शव का काफी तलास करने के बाद लगभग 10.30 बजे मृत अवस्था में मिला जिसकी वैधानिक कार्यवाही जिला चिकित्सालय उमरिया में परिजनों, अधिकारियों,कर्मचारियों एवं पुलिस प्रशासन, राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम की कार्यवाही पूर्ण करवाई गई। पोस्टमार्टम की कार्यवाही उपरांत मृतक के शव को उनके परिजनों को अंतिम संस्कार हेतु सौप दिया गया।

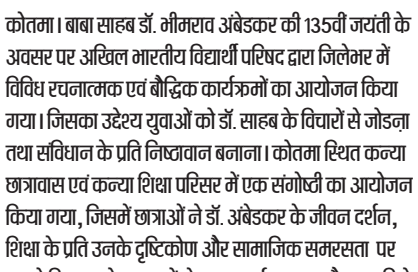

कलेक्टर, अपर कलेक्टर ने आम जनों की सुनी समस्यायें

उमरिया । साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम ने जिले के दूर दराज से आये लोगों की समस्याओं को सुना तथा उसका निराकरण भी कराया । जनसुनवाई मे फूलचंद काछी चंदिया ने बेयर हाउस में काम दिलाने, लक्ष्मी द्विवेदी ग्राम महुरी ने फर्जी पात्रता पर्ची को कैसिंल कराने, राजेंद्र राय ग्राम कंचनपुर ने आरटीई के तहत बच्चे से गलत फीस वसूलने, बनारसी सेन लोढा ने पुस्तैनी पटटे की भूमि का फर्जी तरीके से बंटवारा करके रजिस्ट्री कराने, रामजी यादव ग्राम सेमरिया ने शासकीय शाला में मुरूम डलवाने, हैदर अली अमरपुर ने मनरेगा बिल का पेमेंट कराने संबंधी आवेदन दिया। आवेदनों के निराकरण के लिए संबधित विभाग को आवेदन प्रेषित किया गया। जनसुनवाई में एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

अंबेडकर जयंती पर एबीवीपी का विविध रचनात्मक एवं बौद्धिक कार्यक्रम

कोतमा। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा जिलेभर में विविध रचनात्मक एवं बौद्धिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य युवाओं को डॉ. साहब के विचारों से जोडना तथा संविधान के प्रति निष्ठावान बनाना। कोतमा स्थित कन्या छात्रावास एवं कन्या शिक्षा परिसर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन दर्शन, शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण और सामाजिक समरसता पर अपने विचार रखे। छात्राओं ने समूह चर्चा, भाषण और प्रस्तुति के माध्यम से कार्यक्रम को सार्थक और ज्ञानवर्धक बनाया। संगोष्ठी ने छात्राओं में आत्मविश्वास, संवैधानिक चेतना और राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार किया।

कांग्रेस ने मनाई डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

विजय मत, उमरिया।

जिला कांग्रेस कमेटी ने स्थानीय स्टेशन रोड पर स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अजय सिंह ने कहा कि डॉ.अंबेडकर के योगदान से भारत को दुनिया का सबसे महान संविधान हाड्क्षसल हुआ। जिसमे हर किसी को बराबरी का हक है। इसी रास्ते पर चल कर देश ने विकास के नये आयाम हांसिल किये, परंतु भाजपा जैसे पूजीवादी तथा संकीर्ण मानसिकता वाले दल के हांथो मे कमान आते ही देश का परि.श्य बदलने लगा है। सबसे बड़ा खतरा भारत के संबिधान पर है। एक-एक करके देश की संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। सरकारी संस्थानो का उपयोग कर विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश हो रही है। लोगों को मिले अधिकारों को छीना जा रहा है।

लें लोकतंत्र बचाने का संकल्प

श्री सिंह ने कहा कि आज के दिन हम सभी लोकतंत्र व संविधान को अक्षुण्य रखने तथा इसे कमजोर करने वाली ताकतों को सबक सिखाने का संकल्प लें। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राजेश शर्मा, ठाकुरदास सचदेव, नपा उपाध्यक्ष अमृतलाल यादव, प्रवक्ता अशोक गौंटिया, ब्लॉक अध्यक्ष शिशुपाल यादव, रघुनाथ सोनी, सेवादल अध्यक्ष संतोष सिंह, राजा भईया सिंह, सतवंत सिंह, मिथलेश राय, राजीव सिंह बघेल, मो.आजाद, अयाज खान, ओम प्रकाश सोनी, शकुंतला धुर्वे, रामायणवती कोल, रेखा सिंह, चंदू राठौर, मो. साजिद, अवधेश राय, संदीप यादव, उमेश कोल, किशोरी सिंह, खुर्रम शहजादा, सोमचंद वर्मा, भोला यादव, देवशरण विश्वकर्मा, राजेश सिंह सहित बड़ी संख्या मे कांग्रेसजन उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना 2.0 अंतर्गत खालेकठई में आयोजित हुआ वाटर शेड महोत्सव

उमरिया । जनपद पंचायत करकेली , जो मध्यप्रदेश के उमरिया जिले का एक प्रमुख विकासखंड है, ने एक बार फिर साबित किया है कि यदि इच्छाशक्ति हो और नेतृत्व स्पष्ट हो, तो ग्रामीण विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है। प्रधानमंत्री .षि सिंचाई योजना के अंतर्गत आयोजित वाटरशेड महोत्सव 2025 इसी दिशा में एक ऐतिहासिक पहल रही। विधायक बांधवगढ ने कहा ÷जल ही जीवन है, और अगर हमने अभी भी जल संरक्षण के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा, तो आने वाली पीढ़ियों को भारी संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री .षि सिंचाई योजना गांव-गांव में हर खेत को पानी पहुँचाने का सपना साकार कर रही है। उन्होनें महोत्सव के माध्यम से सभी किसानों, पंचायतों और युवाओं से आग्रह किया कि वे जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने बताया कि अब तक इस योजना के अंतर्गत क्षेत्र में अधिक जल संरचनाओं का निर्माण हो चुका है, जिनसे अधिक भूमि को सिंचाई की सुविधा मिलने लगी है। आने वाले समय में इस कार्य को और भी विस्तार दिया जाएगा।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री .षि सिंचाई योजना 2.0 का उद्देश्य हर खेत को पानी देना है, ताकि किसानों को वर्ष भर सिंचाई की सुविधा मिल सके और खेती की उत्पादकता में वृद्धि हो। योजना के अंतर्गत वाटरशेड डेवलपमेंट एक महत्वपूर्ण घटक है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, भूजल स्तर को बढ़ाने और भूमि सुधार जैसे कार्यों पर केन्द्रित है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनप्रतिनिधि आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि वाटरशेड कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पानी सहेजना नहीं, बल्कि मिट्टी का संरक्षण, भूजल स्तर बढ़ाना, वनीकरण, पशुपालन और आजीविका सुधार से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा ÷हमारा प्रयास है कि ग्राम पंचायतें स्वयं इस दिशा में योजना बनाएं, ग्राम स्तर पर समिति बनाएँ और ग्रामवासियों की भागीदारी से जल प्रबंधन को सफल बनाएं। जलग्रहण क्षेत्र में हरियाली, तालाब गहरीकरण, नाला पुनर्निर्माण, चेक डैम निर्माण जैसे कार्यों से गाँव को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के उपरांत अतिथियों ने खालेकठई में बनी जल संरचनाओं का निरीक्षण किया।

कार्यक्रम में सीईओ जनपद पंचायत करकेली हरनीत कौर कलसी , जनप्रतिनिधि मिथिलेश पयासी, जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कई सरपंच, जनप्रतिनिधि, किसान, पंचायत प्रतिनिधि, महिला स्व-सहायता समूह, युवा, छात्र-छात्राएं, और स्थानीय जन मौजूद रहे।

पीएम श्री शासकीय बालक उमावि कालरी में तीन दिवसीय पुस्तक मेले का कलेक्टर ने किया शुभारंभ

विजय मत, उमरिया।

पीएम श्री शासकीय बालक उमावि कालरी में तीन दिवसीय पुस्तक मेले का शुभारंभ करते हुए कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि पुस्तक मेला के माध्यम से एक छत के नीचे अभिभावकों को सभी प्रकार की पुस्तके उपलब्ध हो सकेगी । पुस्तक मेला के माध्यम से अभिभावकों तक नई-नई पुस्तकों की जानकारी सीधे पहुंचेगी। उन्होने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि सभी अभिभावक आयोजित पुस्तक मेले का लाभ उठाएं इसके साथ ही अपने परिचितों को भी पुस्तक मेला की जानकारी दें । पुस्तक मेले में कापी, गणवेश,पेन सभी चीजे उपलब्ध है ।

उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान से कहा कि पुस्तक मेले का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करें और प्रकाशको से चर्चा कर , उन्हें पुस्तक मेला में आमंत्रित करें तथा अभिभावकों, विद्यार्थियों को इस मेला का लाभ प्राप्त हो सके ।

पुस्तक मेला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है । मेले में स्थानीय पुस्तक संचालक बेटू पुस्तक भंडार, अग्रवाल पुस्तक भंडार, अन्नपूर्णा पुस्तक भंडार तथा महाकाल ट्रेडर्स व्दारा अपनी दुकाने संचालित की जा रही है । पुस्तक मेला के माध्यम से बच्चों को प्रतियोगी कीताबे, स्कूल की किताबे, गणवेश, कॉपी, पेन वाजिब कीमतो में उपलब्ध हो सकेगी ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान तथा जिला जनसंपर्क अधिकारी अरूणेन्द्र सिंह ने भी संबोधित करते हुए कहा कि अभिभावक आयोजित पुस्तक मेले का लाभ उठाएं । कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जावलन के साथ किया गया। सोहन चौधरी एवं उनकी टीम व्दारा सरस्वती गीत एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई । कार्यक्रम का संचालन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से विनीत कुमार ने किया ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया । कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर व्दारा सीएम हेल्पलाइन, समय सीमा के पत्रों की समीक्षा करते हुए कहा गया कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाए ।उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण शत प्रतिशत किया जाए । समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनो तथा जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार के पत्रों, फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें।

बैठक में अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

पेट्रोल तस्करी भालूमाड़ा पुलिस की कार्रवाई, पेट्रोल गाड़ियों की डिक्की में भरा था, बड़ी दुर्घटना हो सकती थी

अवैध पेट्रोल ले जा रहे दो कार सवार पकड़ाए,110 लीटर पेट्रोल जब्त

विजय मत, भालूमाडा।

भालूमाड़ा।थाना भालूमाड़ा पुलिस ने सोमवार रात अवैध पेट्रोल परिवहन के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कारों से कुल 110 लीटर पेट्रोल जब्त किया है। पेट्रोल दोनों गाड़ियों की डिक्की में प्लास्टिक के जरीकेनों में भरा हुआ था, जो पूरी तरह असुरक्षित था। पुलिस ने तीन आरोपियों को मौके से हिरासत में लिया है और दोनों गाड़ियां भी जब्त कर ली हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 15 लाख रुपये आंकी गई है।

मुखबिर से मिली थी सूचना

थाना प्रभारी संजय खलको ने बताया कि 14 अप्रैल की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो कारें मरवाही परासी की ओर से आ रही हैं, जिनमें पेट्रोल भरा हुआ है। ग्राम बगडुमरा देवी चौरा तिराहा के पास चेकिंग लगाई गई और दोनों वाहनों को रोककर तलाशी ली गई।

पहली कार से मिला 60 लीटर पेट्रोल

टोयोटा कंपनी की कार (क्रमांक MP 18 C 6685) से 60 लीटर पेट्रोल जब्त किया गया। यह पेट्रोल दो जरीकेनों में भरकर कार की डिक्की में रखा गया था। वाहन चला रहे रमेश गुप्ता (उम्र 48 वर्ष, निवासी पयारी नं. 02) को गिरफ्तार किया गया। जब्त पेट्रोल की कीमत करीब 7080 रुपये है।

दूसरी कार से मिला 50 लीटर पेट्रोल

दूसरी कार (मारुति सुजुकी नेक्सा XL क्रमांक MP 65 ZB 6898) से कुल 50 लीटर पेट्रोल मिला, जो तीन जरीकेनों में भरकर डिक्की में रखा गया था। इस कार में सवार मनीष गुप्ता (उम्र 20 वर्ष) और राकेश पनिका (उम्र 35 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम निमहा, को हिरासत में लिया गया। जब्त पेट्रोल की कीमत करीब 5900 रुपये है।

कायम हुआ प्रकरण

पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 287 बीएनएस व आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

पुलिस टीम की रही अहम भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी संजय खलको, प्रधान आरक्षक प्रदीप पांडेय, आरक्षक देवेन्द्र तिवारी, प्रवीण भगत, धर्मेन्द्र यादव और भानु प्रताप सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

जल गंगा संवर्धन अभियान एवं अपनी मिट्टी अपना जल नवाचार की कलेक्टर व्दारा की गई समीक्षा

उमरिया । प्रदेश शासन के आव्हान पर उमरिया जिले में प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि ग्रामीण अंचलों के साथ ही अब जिले के समस्त नगरीय निकायों में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम आयोजित किया जाए। उन्होने समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा है कि अपने क्षेत्रांतर्गत नदी, तालाबों, कुओं का चिन्हांकन करें तथा जन सहयोग के माध्यम से घाट की साफ सफाई, सौंदर्यीकरण का कार्य करें। उन्होने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठ नागरिकों, समाज सेवियों, पत्रकारों, स्वयं सेवी संस्थाओं, स्व समूह की महिलाओं को आमंत्रित किया जाए। उन्होने अपनी मिट्टी अपना जल नवाचार की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में मिट्टी के कटाव एवं पानी के बहाव को संरक्षित करने के उद्देश्य से बोरी बंधान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।उन्होने निर्देशित किया कि सभी उपयंत्री स्थल का चयन कर लें तथा बोरी बंधान में कितनी बोरियां लगनी है , उसका आंकलन भी कर लें । जल की एक एक बूंद को सहेजने में अपनी मिट्टी अपना जल कार्यक्रम मील का पत्थर साबित हो, इस दिशा में कार्य करें।

उन्होने बताया कि जिले में प्रवाहित होने वाली छोटी, बडी जल संरचनाओ का सर्वेक्षण किया जाकर बोरी बंधान उपयुक्त स्थल का चयन विभिन्न तकनीकी अमले के माध्यम से कराया जाएगा । चयनित स्थल पर जनसहयोग के माध्यम से तकनीकी अधिकारियों के निर्देश में विभिन्न विभागों को लक्ष्य आवंटित कर कार्य कराया जाएगा । इस कार्य में जनप्रतिनिधि, व्यापारी, संगठनों, स्वयं सेवी संस्थानों, महिला स्व सहायता समूहो, समाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाए । अपनी मिट्टी अपना जल कार्यक्रम के तहत करकेली विकासखंड में 86 जगहों पर , मानपुर विकासखंड में 137 जगहो पर तथा पाली विकासखंड में 18 स्थलों को चिन्हांकित किया गया है ।

बैठक में अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला आज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली इस सत्र में अब तक एक ही मैच हारी है। पिछले मैच में उसे अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुम्बई इंडियंस से मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अब घरेल मैदान पर होने वाले इस मैच में कैपिटल्स जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में उतरी दिल्ली के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है जिससे वह राजस्थान पर भारी पड़ेगी।

पिछले मैच में टीम की ओर से स्पिनर कुलदीप यादव और युवा विपराज निगम ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह इस सत्र में भी बनाये रखना चाहेंगे। अक्षर पिछले मैच में विकेट नहीं ले ये थे और वह

ये कमी इस मैच में पूरी करना चाहेंगे। इसके अलावा वह बल्लेबाजी में भी विफल रहे थे। युवा जैक फ्रेसर मैकगुर्क लय को भी अगर बने रहना तो रन बनाने होंगे। अब तक वह 50 रन भी नहीं बना पाये हैं। पिछले मैच में करुण नायर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर 82 न बनाये थे। अब इस मैच में भी उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। मध्यक्रम में केएल राहुल ,ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा पिछले मैच में विफल रहे थे पर इस मैच में इनको रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स की राह आसन नहीं है। वह छह में से केवल दो मैच ही जीती है, इससे उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इस प्रकार वह आठवें स्थान पर फिसल गयी है। रॉयल्स के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। यशस्वी जायसवाल केवल एक मैच में ही अर्धशतक बना पाये हैं।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स-अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर-मैकगुर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसी, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव।

राजस्थान रॉयल्स-संजू सैमसन (कप्तान), रियान पराग, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

जम्पा चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हुए

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये हैं। जम्पा के कंधे में खिंचाव आया है। इसी कारण राजस्थान रॉयल्स के साथ खेले गए मैच में उन्हें गेंदबाजी के दौरान परेशानी आई। इसके बाद वह स्वदेश लौट गये हैं। जम्पा ने इस टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में इम्पैक्ट सब के रूप में खेलते हुए 48 और 46 रन देकर एक-एक विकेट लिया था। जंपा जैसे अनुभवी स्पिनर का बाहर होना खिलाड़ियों के खराब फार्म से जूझ रही सनराइजर्स के लिए भी करारा झटका है। पहले माना जा रहा था कि जम्पा थोड़े आराम के बाद आईपीएल में वापसी करेंगे पर अब इसकी संभावना समाप्त हो गये है क्योंकि सनराइजर्स ने उनकी जगह कर्नाटक के बल्लेबाज आर स्मरण को टीम में शामिल कर लिया है।

फुटबॉल

नेपल्स में सीरीज ए फुटबॉल मैच में खेलते हुए नेपोली और इमपोली के खिलाड़ी।

श्रेयस बने आईसीसी के मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मार्च महीने के आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। श्रेयस ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रविंद्र को पीछे छोड़ा। अय्यर ने चैम्पियंस ट्रॉफी में आक्रामकम बल्लेबाजी करते हुए टूर्नामेंट में सबसे अधिक 243 रन बनाये थे और भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अय्यर ने ये प्ररस्कार मिलने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा, मैं मार्च महीने के लिए आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चयनित किये जाने पर सम्मानित अनुभव कर रहा हूं। यह इसलिए विशेष है क्योंकि तभी हमने चैम्पयंस ट्रॉफी जीती थी। ये एक ऐसा पल जिसे हमेशा संजोकर रखना होगा। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ 79 गेंद पर ही 98 रन बनाये थे। इसी तरह उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 45 गेंदों में 62 रन बनाये थे। फाइनल में भी अय्यर खासे सफल रहे।

मुझे आईपीएल में पुराने अनुभवों का लाभ मिला: करुण नायर

मुम्बई, एजेंसी

आईपीएल के इस सत्र में शानदार पारी खेलकर वापसी करने वाले करुण नायर ने कहा है कि उन्हें अपने पुराने अनुभवों का लाभ मिला। इसलिए उन्हें सत्र के पहले मैच में कोई परेशानी नहीं आई। इसका कारण है कि वह मानसिक रुप से खेलने के लिये पूरी तरह से तैयार थे और उन्हें पता था कि कैसे खेलना है । करुण तीन साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे थे, ऐसे उनके प्रदर्शन को लेकर आशंकाएं जाहिर की जा रहीं थी। करुण ने 2022 में अंतिम बार आईपीएल खेला था। उसके बाद उन्हें अवसर नहीं मिला था हालांकि घरेलू क्रिकेट में इस बची उनका प्रदर्शन

अच्छा रहा है। वापसी के अपने पहले ही मैच में करण ने अपनी 89 रनों की पारी से सभी को प्रभावित किया। इस दौरान उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसो गेंदबाज पर भी जमकर शॉट लगाये। एक ओवर में बुमराह पर दो छक्के लगाने की क्षमा सभी में नहीं होती पर करूण ने यह कर दिखाया। उनके इस प्रदर्शन का कारण घरेलू क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन भी है जिसमें उन्होंने विदर्भ के लिए विभिन्न प्रारूपों में पिछले सत्र में 1870 रन बनाए। इस कारण उनका मनोबल बढ़ा हुआ था।

करूण ने कहा, 'मुझे आईपीएल में पहले खेलने का लाभ मिला। इससे मुझे पता था कि कैसे खेलना है। मेरे लिए कुछ भी नया नहीं था। मेरे दिमाग में तैयारी पूरी थी। बस मौके का इंतजार था। कुछ गेंद खेलकर फिर लय में आने की बात थी। वर्ष 2022 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे करूण ने पावरप्ले के दौरान पारंपरिक शॉट्स खेलने के बारे में कहा, 'मैं अपने से यही कह रहा था कि समय दो, आम शॉट खेलो और उसके बाद तेजी से खेल सकते हो। सब कुछ वैसे ही हुआ।

आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे पर जाएगी भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम का आगे का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। टीम को आईपीएल के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत होगी। भारतीय टीम इस बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में नहीं पहुंच पाई है इसलिए उसका लक्ष्य नये सत्र की अच्छी शुरुआत करना रहेगा। इसके अलावा भारतीय टीम 18 साल के अंतराल के बाद पटौदी ट्रॉफी भी जीतना चाहेगी क्योंकि 2021-22 में वे इसे बहुत कम अंतर से हार गए थे। यह सीरीज रेड-बॉल क्रिकेट में देश के लिए नई शुरुआत भी कर सकती है।

गावस्कर ने पाटीदार के रवैये की प्रशंसा की

मुम्बई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा है कि पाटीदार ने काफी अच्छी कप्तानी की है। उनके सहज रवैए से टीम ने इस सत्र में अब तक अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। पाटीदार ने टीम में नया उत्साह जगह है जिससे वह बड़े हुए मनोबल से उतर रही है। इस बार आरसीबी ने 17 साल के बाद चेन्नई के चेपॉक में जीत हासिल करने के अलावा वानखेड़े स्टेडियम में भी जीत हासिल की है। वानखेड़े में ये जीत टीम को पिछले सत्रों में छह मैचों की

हार के बाद मिली है। गावस्कर ने कहा,''कप्तान के रूप में पाटीदार काफी कुशल हैं। उनकी टीम ने पिछले 17 साल में खिताब नहीं जीता है और अब उसके खिलाड़ी समझ रहे हैं कि जीतने के लिए क्या करना चाहियेहै। एक सहज और संयमित कप्तान के साथ टीम के साथ जुड़े अन्य खिलाड़ी भी अपनी ओर से सवश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास कर रहे हैं।'' गावस्कर ने टीम मेंटर दिनेश कार्तिक के कामकाज को भी सराहा। उन्होंने कहा, ''आरसीबी के पास कई अनुभवी लोग हैं जो हमेशा सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं। उसके पास मजबूत सहयोगी स्टाफ है। उसके सहयोगी स्टाफ में कार्तिक जैसा व्यक्ति है जिसके प्रभाव को लेकर लोगों को अधिक जानकारी नहीं है।'' गावस्कर ने कहा, '' कार्तिक ऐसे मेंटर हैं जो युवा खिलाड़ियों के साथ समय बिताते हैंहै। उनका मार्गदर्शन करते है और उन्हें जरुरी सलाह देते हैं। । पाटीदार की को एक ऐसी टीम मिली है जो जीत चाहती है। '' साथ ही कहा कि अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहले के बड़े शॉट खेलने से भी काफी अलग प्रभाव पड़ा है।

बिजनेस

महंगाई दर मार्च में कम होकर 2.05 फीसदी, थोक महंगाई में गिरावट दिखी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर मार्च में कम होकर 2.05 फीसदी हो गई है, जो कि फरवरी में 2.38 फीसदी पर थी। वाणिज्य और इंडस्ट्री मंत्रालय के मुताबिक, मार्च में थोक महंगाई दर के सकारात्मक रहने की वजह मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की कीमतों में इजाफा होना है।

2025 की फरवरी की तुलना में मार्च में महंगाई दर में 0.19 फीसदी की कमी आई है, जो कि महंगाई में कमी को दिखाता है। सरकारी डेटा के मुताबिक फरवरी के मुकाबले मार्च में ईंधन और ऊर्ज समूहों की कीमत में कमी आई,

जिससे कारण मार्च में थोक महंगाई में गिरावट देखने को मिली है। बीते हफ्ते आरबीआई गवर्नर ने मौद्रिक नीति का ऐलान करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई दर के अनुमान को 4.2 फीसदी से घटाकर 4 फीसदी कर दिया था।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि खाद्य महंगाई दर में तेज गिरावट के बाद जनवरी-फरवरी 2025 के दौरान मुख्य महंगाई दर में कमी आई है। उन्होंने आगे कहा कि खरीफ की मजबूत आवक के साथ, इससे खाद्य महंगाई दर में स्थायी नरमी आने की उम्मीद है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट महंगाई के आउटलुक के लिए शुभ संकेत है। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए और सामान्य मानसून को मानते हुए, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए खुदरा महंगाई 4 फीसदी पर रहने का अनुमान है, जिसमें पहली तिमाही 3.6 प्रतिशत, दूसरी तिमाही 3.9 फीसदी, तीसरी तिमाही 3.8 फीसदी और चौथी तिमाही 4.4 फीसदी रह सकती है।

सेंसेक्स 1578 अंक ऊपर 76,735 पर बंद निफ्टी 500 अंक चढ़कर 23,329 पर पहुंचा

एनएसई का रियल्टी इंडेक्स 6 प्रतिशत चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी मंगलवार, 15 अप्रैल को बड़ी तेजी रही। सेंसेक्स 1578 अंक (2.10 प्रतिशत) चढ़कर 76,735 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 500 अंक (2.19 प्रतिशत) की तेजी रही, ये 23,329 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी रही। इंडसइंड बैंक में 6.70 प्रतिशत, टाटा मोटर्स में 4.61 प्रतिशत, लार्सन एंड टुब्रो में 4.50 प्रतिशत, एक्सिस बैंक में 4.23 प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स में 4.13 प्रतिशत की तेजी रही।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 49 में तेजी रही। एनएसई के सेक्टोरल इंडाइसेज में सबसे ज्यादा तेजी रियल्टी में 5.64 प्रतिशत, ऑटो में 3.39 प्रतिशत, फाइनेंशियल

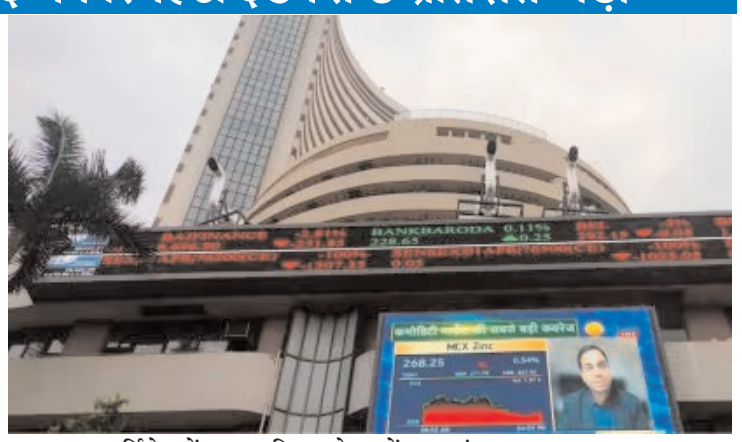

सर्विसेज में 3.28 प्रतिशत, मेटल में 3.20 प्रतिशत और मीडिया में 2.97 प्रतिशत की रही।

पिछले हफ्ते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार (11 अप्रैल) को सेंसेक्स 1310 अंक (1.77 प्रतिशत) की तेजी के साथ 75,157 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी करीब 429 अंकों की तेजी रही, ये 22,829 के स्तर पर पहुंच गया।

एनएसई के 50 शेयरों में से 46 में तेजी रही। मेटल सेक्टर सबसे ज्यादा 4.09 प्रतिशत, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 3.19 प्रतिशत, फार्मा 2.43 प्रतिशत, ऑयल एंड गैस 2.20 प्रतिशत और ऑटो 2.03 प्रतिशत चढ़कर बंद हुए। कल (14 अप्रैल) अंबेडकर जयंती के चलते शेयर बाजार बंद था।

रुपया पिछले कारोबारी दिन 58 पैसे बढ़कर 86.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

रुपया 39 पैसे की बढ़त के साथ 85.71 डॉलर पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 39 पैसे की बढ़त के साथ 85.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी के बावजूद कमजोर अमेरिकी मुद्रा ने स्थानीय मुद्रा को बल दिया। उन्होंने रुपये की मजबूती का श्रेय अमेरिकी

प्रशासन के भारत पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत शुल्क को नौ जुलाई तक टालने को भी दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.85 प्रति डॉलर पर मजबूती के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में 85.71 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को 58 पैसे की जोरदार बढ़त के साथ 86.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। आंबेडकर जयंती के अवसर पर सोमवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत चढ़ा लेकिन 100 से नीचे 99.46 पर ही रहा।

अच्छा प्रदर्शन निप्पान इंडिया म्युचुअल फंड का रहा

म्युचुअल फंड में जोरदार ग्रोथ, एयूएम 25 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त वर्ष 2025 के दौरान, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने एक बेहतरीन उछाल देखा, जिसके परिणामस्वरूप कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में 25 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस ग्रोथ का मुख्य कारण थी कुछ चुनिंदा म्युचुअल फंड कंपनियों की तेज रफ्तार ग्रोथ, जिनमें सबसे अच्छा प्रदर्शन निप्पान इंडिया म्युचुअल फंड का रहा। निप्पान इंडिया ने वित्त वर्ष 25 में 29 फीसदी की बढ़त हासिल की और मार्च 2025 तिमाही में उनका एयूएम 5.6 लाख करोड़

पहुंच गया। दूसरे सबसे बड़े फंड हाउस आईसीआईसीआई प्रूडेंशल म्युचुअल फंड ने भी अच्छे प्रदर्शन किया और उनका एयूएम साल भर में 2 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया। इस दौरान टाटा, कोटक और एचडीएफसी म्युचुअल फंड ने भी एयूएम में बढ़ोतरी देखी। सबसे तेज ग्रोथ दर्ज करने वाली मोतीलाल ओसवाल, पीपीएफएस म्युचुअल फंड में भी बढ़ोतरी देखी गई। यह वृद्धि उस समय हुई जब बाजार में करेक्शन की वजह से एयूएम में थोड़ी गिरावट देखने को मिली थी, लेकिन इंडस्ट्री ने भारी ग्रोथ की दिखाई।

रिवोल्ट मोटर्स ने नेपाल में खोली डीलरशिप

मुंबई। इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रिवोल्ट मोटर्स ने नेपाल की राजधानी काठमांडू में अपनी पहली डीलरशिप मंगलवार को खोल दी है। रिवोल्ट मोटर्स के अनुसार कंपनी ने नेपाल के मोटर वाहन उद्योग में अग्रणी नाम एमवी दुगर ग्रुप के साथ रणनीतिक साझेदारी से पड़ोसी देश में कदम रखा है। कंपनी ने कहा कि काठमांडू के बाद इसका नेपाल में तेजी से विस्तार होगा।

वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री दो प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 43,01,848 इकाई हो गई। उद्योग निकाय सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में थोक बिक्री 42,18,750 इकाई रही थी। यात्री वाहनों की थोक बिक्री मार्च महीने में 3,81,358 इकाई रही, जो मार्च 2024 के 3,68,090 वाहनों से चार प्रतिशत अधिक है।

एईटीएल को पीजीवीसीएल से मिली दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं

नई दिल्ली। अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स लिमिटेड (एईटीएल) ने कहा कि उसे पश्चिम गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) से दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं हासिल हुई है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसे दो प्रमुख बिजली आपूर्ति परियोजनाओं के लिए एल1 (सबसे कम बोली लगाने वाला) के तौर पर चुना गया। इसमें पीजीवीसीएल के नेटवर्क के भीतर दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए 11 केवी (किलोवोल्ट) मध्यम वोल्टेज कवर कंडक्टर तथा उसके सहायक उपकरण की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण व उसे चालू करना शामिल है।

देशी घी के भाव में लगभग 500 रुपये प्रति टिन तक की बढ़त

डेयरी में दूध की कमी से देशी घी की कीमतों में तेजी

जयपुर, एजेंसी

उत्तर भारत की डेयरियों में दूध उत्पादन में गिरावट आने से देशी घी की बाजार में कीमत अचानक बढ़ गई हैं। होली के बाद से अब तक ब्रांडेड देशी घी के भाव में लगभग 500 रुपये प्रति टिन तक की बढ़त हो गई है। कारोबारियों ने कहा कि गर्मियों में दूध की कमी और मांग स्थिर रहने से घी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इससे खुदरा विक्रेताओं की गिरावट देखने को मिल रही है, कहां यहां खरीदार भी धीरे-धीरे विचलित हो रहे हैं। जिन लोगों को प्रतिदिन लगभग 10 टिन घी बेचने की

आदत थी, वे अब मुश्किल से दो टिन भी बेच पा रहे हैं। इसमें बाजार में और भी तेजी की आशंकाएं शामिल हैं, जो खरीदारों को खरीदारी से पीछे हटा रही हैं। वैश्विक स्तर पर देशी घी की मांग भी बढ़ रही है, जिसमें मिस्र सबसे बड़ा आयातक है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा घी उत्पादक देश होता है और सरकार भी इस उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने में रुचि ले रही है। डेयरी विशेषज्ञों के अनुसार भारत में दूध का वार्षिक उत्पादन 23 करोड़ टन तक पहुंच गया है। स्थानीय डेयरी उत्पाद बाजार में कृष्णा घी की कीमत लगभग 8745 रुपये प्रति 15 किलो टिन और महान घी की कीमत लगभग 9000 रुपये प्रति 15 किलो टिन तक पहुंच गई है। बाजार विश्लेषक दर्शाते हैं कि अगर दूध की आवक में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में देशी घी की कीमतों में और भी वृद्धि हो सकती है।

कैबिनेट बैठक: गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में नवीन पदों की स्वीकृति

चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबंद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए 383 करोड़ 22 लाख रूपये की राशि स्वीकृत

विजय मत भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के किसानों के समन्वित विकास के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशु पालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग में प्रचलित योजनाओं को एक मंच पर लाकर मध्यप्रदेश किसान कल्याण मिशन को प्रारंभ करने की सैद्धांतिक अनुमति दी गयी। मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृषि उत्पादकता (किलोग्राम प्रति हेक्टेयर) वर्ष 2002-2003 में 1195 था जो वर्ष 2024 में 2393 हो गया। यह वृद्धि 200 प्रतिशत हो गयी है। फसल उत्पादन (लाख मीट्रिक टन) वर्ष 2002-2003 में 224 एवं वर्ष 2024 में 723 होकर 323 प्रतिशत हो गयी है। कृषि विकास दर (प्रतिशत में) 2002-2003 में 3 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 9.8 प्रतिशत हो गयी। 327 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कृषि क्षेत्र का बजट (करोड़ रूपये) वर्ष 2002-2003 में 600 करोड़ एवं वर्ष 2024 में 27050 करोड़ होकर वृद्धि दर 4508 प्रतिशत हुई। मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र का योगदान प्रदेश की जीडीपी में 39 प्रतिशत है। म.प्र. कृषक कल्याण मिशन का उद्देश्य

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मन्त्रि-परिषद के निर्णय की जानकारी मंत्रालय में दी।

किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को जलवायु-अनुकूल बनाना, धारणीय कृषि पद्धतियों को अपनाना, जैव विविधता और परम्परागत कृषि ज्ञान संरक्षण, पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना है।

किसानों की आय में वृद्धि- कृषि तथा उद्यानिकी के अंतर्गत फसलों की उत्पादकता में वृद्धि, उच्च मूल्य फसलों की खेती, गुणवत्तापूर्ण आदानों की उपलब्धता - बीज, रोपण सामग्री, उर्वरक, कीटनाशक, और कृषि विस्तार एवं क्षमता विकास, सस्ती ब्याज दरों पर ऋण की आसान उपलब्धता, खाद्य प्र-संस्करण और कृषि आधारित उद्योग, वैल्यू-चैन विकास और मौजूदा वैल्यू-चैन का सुदृढ़ीकरण, मप्र की विशिष्ट समस्याओं के लिए अनुसंधान एवं विकास है। कृषि तथा उद्यानिकी सस्टेनेबल कृषि पद्धतियां के अंतर्गत गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस (जीएपी) को अपनाना, जैविक/प्राकृतिक खेती क्षेत्र में बढ़ोतरी, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों के लिए मार्केट लिंकेज का निर्माण तथा सुदृढ़ीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पाद हेतु प्रमाण पत्र जारी करने तथा ट्रैसेबिलिटी सिस्टम को विकसित ,किसानों की उपज के उचित मूल्य सुनिश्चित करना,मंडियों का आधुनिकीकरण एवं उन्नयन, मंडी कार्यों के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, मण्डी में पारदर्शी तथा निष्पक्ष नीलामी की प्रक्रिया को सुदृढ़ एवं मंडी के बाहर उपज बेचने की सुविधा को विकसित करना, जिन फसलों में वायदा अनुबंधों की अनुमति है।

चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबंद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए राशि 383 करोड़ 22 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबंद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए राशि 383 करोड़ 22 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में नवीन पदों की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी एवं नियोनेटोलॉजी विभाग में नियमित स्थापना के कुल 12 नवीन पदों का सृजन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इन पदों में प्राध्यापक के 3 पद, सह प्राध्यापक के 3 पद, एवं सहायक प्राध्यापक के 3 पद एवं सीनियर रेसीडेंट के 3 पद शामिल हैं।

किसानों के सशक्तिकरण के लिये मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन की होगी शुरूआत: कंषाना

विजय मत भोपाल

किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि प्रदेश के किसानों को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन की शुरूआत करेगी। इसके लिये रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में मिशन को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह मिशन किसानों और उनके परिवार के सदस्यों को सशक्त बनाएगा। इससे पहले राज्य सरकार युवा, नारी शक्ति और गरीब कल्याण मिशन घोषित कर चुकी है। मिशन की साधारण सभा के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। मिशन क्रियान्वयन की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव रहेंगे। मिशन क्रियान्वयन जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में किया जायेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकास के लिए गरीब, युवा, नारी और किसानों के कल्याण पर जोर दे रहे हैं। मंत्री कंषाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में उक्त वर्गों के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन में किसानों के कल्याण के लिए किए जाने वाले सभी कामों को एक प्लेटफॉर्म दिया जाएगा, जिसके माध्यम से राज्य सरकार आगे बढ़ेगी।

ओवरब्रिज बनने से लाखों लोगों को मिलेगी ट्रैफिक की समस्या से राहत: कृष्णा गौर

विजय मत भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने मंगलवार को मंत्रालय में विभिन्न विभागों के साथ गोविंदपुरा क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों में देरी और लापरवाह अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समय सीमा में कार्य करने के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री गौर ने कहा कि आम लोगों को ट्रैफिक की समस्या से निजात दिलाने के लिए आशिमा मॉल से बावड़िया कलां के बीच ओवरब्रिज बनाया जाएगा। इसका लाभ रोज आवागमन करने वाले लाखों लोगों को मिलेगा। ओवरब्रिज के निर्माण के लिए इसी सप्ताह टेंडर जारी हो जाएगा और जून महीने में इसका निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। राज्यमंत्री गौर ने बावड़िया ब्रिज पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने के निर्देश भी दिए हैं, इससे लंबे जाम से रहवासियों को राहत मिलेगी।

राज्यमंत्री गौर ने कहा कि भेल क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत के लिए भेल के अधिकारियों के साथ समन्वय कर पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी इस कार्य को जल्द पूरा करें। उन्होंने लंबे समय से एमजीएम स्कूल अवधपुरी के करीब बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य में देरी पर कहा कि सड़क के निर्माण कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सड़क निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया। पिपलानी से खजूरी कलां तक 4 किलोमीटर लंबी नाली के निर्माण कार्य को भी बारिश से पहले पूरा करने के भी राज्यमंत्री गौर ने निर्देश दिए हैं। उन्होंने आनंद नगर से ट्रांसपोर्ट नगर तक बन रही लगभग 5 किलोमीटर की सड़क के अधूरे निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिये कहा।

भाजपा सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है: चौधरी

विजय मत भोपाल

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने आज संपन्न मध्यप्रदेश की कैबिनेट बैठक में किसानों की आय बढ़ाने के लिए अन्नदाता मिशन को मंजूरी प्रदान करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है। दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा लागू किए जा रहा अन्नदाता मिशन किसानों की आय बढ़ाने के लिए मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल ही में नेशनल डेयरी डेवलमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के मध्य हुए अनुबंध से दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा, जिससे किसानों और पशुपालकों व गौपालकों की आय भी बढ़ेगी।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए मिशन मोड पर कार्य करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की बताई चार जातियों गरीब, युवा, नारी और अन्नदाता के कल्याण और आर्थिक विकास के लिए भाजपा सरकार लगातार कार्य कर रही है। अन्नदाता मिशन में किसानों व कृषि से संबंधित विभागों जैसे कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, खाद्य-प्रसंस्करण, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की किसानों से संबंधित योजनाओं को समेकित कर किसानों को लाभ दिलाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और संबंधित विभाग के मंत्रियों की एक उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है। इसी तरह की समिति जिलों में बनाई जाएगी, ताकि किसानों को उनसे जुड़ी किसी भी योजना का लाभ लेने में कोई परेशान न आए। अन्नदाता मिशन किसानों को अपनी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मिला सम्मान और संबल
संवर रहा बहनों का
आज और कल

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

लाड़ली बहना योजना
मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना

1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को
₹1552.38 करोड़ की सहायता
खाते में आज आएंगे 23वीं किस्त के
₹1250 एवं
56.68 लाख
सामाजिक सुरक्षा पेंशन
हितग्राहियों को ₹340 करोड़
25 लाख से अधिक
बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग
राशि ₹57 करोड़ का अंतरण
अब तक
1.27 करोड़ बहनों
को मिली है
₹35 हजार करोड़
से अधिक की
सहायता
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
16 अप्रैल, 2025 | अपराह्न 1:30 बजे | ग्राम टिकरवारा, जिला मंडला
D11012/25
सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025